RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः03 , शुक्रवार, 13 फरवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

एमजीसीयू में जलवायु परिवर्तन, आर्थिक विकास, व्यापार एवं वित्त पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ... 03

अरेराज में अतिक्रमण पर प्रशासन की कार्रवाई, दर्जनों दुकानें हटाई 04

हमेशा अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं भूमि पेडनेकर 07

जब तक नया टाइटल नहीं बताओगे, फिल्म रिलीज नहीं होने देंगे

● सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, घूसखोर पंडत पर डायरेक्टर को फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनोज बाजपेयी की घूसखोर पंडत फिल्म मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फिल्ममेकर नीरज पांडे फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप ऐसा टाइटल इस्तेमाल करके समाज के एक हिस्से को क्यों बदनाम कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्मेकर नीरज पांडे को फटकार लगाते हुए कहा कि जब तक आप हमें बदला हुआ टाइटल नहीं बताते, हम आपको फिल्म रिलीज नहीं करने देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने घूसखोर पंडत पर फिल्ममेकर नीरज पांडे से

कहा कि फिल्म का टाइटल नैतिकता और पब्लिक ऑर्डर के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट ने नेटफ्लिक्स पर फिल्म घूसखोर पंडत की रिलीज पर रोक लगाने की अर्जी पर केंद्र, बोर्ड और नीरज पांडे को नोटिस जारी किया है। बता दें कि बीते 03 फरवरी 2026 को नेटफ्लिक्स ने अपने साल 2026 के लिए इंडिया प्लान का एलान किया। इसमें मनोज बाजपेयी की फिल्म घूसखोर पंडत का एलान भी टीजर रिलीज करके किया गया। लेकिन इसकी टाइटल को लेकर विवाद शुरू हो गया है। लोग सड़कों पर उतर गए। इसके बाद यह मामला कोर्ट तक पहुंच गया। फिल्म में मनोज बाजपेयी एक भ्रष्ट पुलिस ऑफीसर की भूमिका निभा रहे हैं। जिन्हें पुलिस महकमे में 'पंडत' कहा जाता है।

चीन की दुखती रग के पास गरजे भारतीय सुखोई विमान

● ग्रिपेन लड़ाकू विमानों ने भी दिखाया जलवा, मलक्का स्ट्रेट से डरता है ड्रैगन

नई दिल्ली/बैंकॉक (एजेंसी)। मलक्का स्ट्रेट, जिससे चीन सबसे ज्यादा डरता है, वहां भारत ने थाईलैंड की वायुसेना के साथ ज्वाइंट ड्रील की है। भारतीय वायुसेना के एसयू-30 लड़ाकू विमानों ने थाईलैंड एयरफोर्स के ग्रिपेन लड़ाकू विमानों के साथ ड्रील की है। सबसे खास बात यहां पर ग्रिपेन लड़ाकू विमान है,

जिसका ऑफर स्वीडन की कंपनी साब ने भारत को दिया है। स्वीडिश कंपनी ने भारतीय वायुसेना को अपने मल्टीरोल फाइटर एयरक्राफ्ट प्रोग्राम के लिए अपना ग्रिपेन लड़ाकू विमान का प्रस्ताव दिया है। क्या भारत, स्वीडिश फाइटर जेट को परखने की कोशिश कर रहा है। भारतीय वायुसेना की तरफ से 10 फरवरी को कहा गया है कि भारतीय वायुसेना, रॉयल थाई एयर फोर्स के साथ एक ज्वाइंट इन-सीटू एयर एक्सरसाइज कर रही है। इस एक्सरसाइज से दोनों एयर फोर्स के बीच ऑपरेशनल कोऑर्डिनेशन और इंटरऑपरेबिलिटी बढ़ेगी।

भाजपा सांसद का नोटिस-राहुल की सदस्यता खत्म हो

● कहा-वे देश को गुमराह कर रहे,रिजिजू ने स्पीकर चैंबर में हंगामे का वीडियो जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट पर चर्चा के दौरान गुरुवार को लोकसभा में प्रश्नकाल हंगामे के कारण नहीं चल सका। 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा कर दिया। सांसद प्ले कार्ड और पोस्टर लेकर वेल में पहुंच गए। नारेबाजी भी होती रही। स्पीकर चेयर पर मौजूद केपी तेन्नेटी ने 7 मिनट के बाद ही सदन को स्थगित कर दिया। दोपहर 12 बजे लोकसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। उधर, पीएम मोदी राज्यसभा में पहुंचे थे। इधर, बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा में सब्सटेंसिव मोशन पेश किया है। राहुल पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। दुबे ने राहुल की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव

लड़ने लाइफटाइम बैन लगाने की मांग की है। सब्सटेंसिव मोशन वह प्रपोजल है, जिस पर सदन सीधे चर्चा करके फैसला ले सकता है। इस मोशन में स्पष्ट रूप से लिखा होता है कि सदन किसी मुद्दे पर क्या फैसला ले। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि सरकार लोकसभा में राहुल गांधी के खिलाफ प्रिविलेज मोशन नहीं लाएगी। हालांकि, 11 फरवरी के उनके भाषण के कुछ हिस्से हटा दिए जाएंगे।

पीएम ने बजट पर सीतारमण की स्पीच की तारीफ की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने इस साल के बजट से देश के आर्थिक बदलाव में कैसे योगदान मिलेगा, इसकी पूरी तस्वीर दी है। कांग्रेस एमपी केसी वेणुगोपाल ने कहा, हमने स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाने के लिए बहुत ज्यादा कोशिश की। सरकार चेयर पर पूरी तरह से दबाव डाल रही है कि विपक्ष के सदस्यों को बोलने का मौका न दिया जाए। राहुल जी जो भी कहते हैं, उसे रिकॉर्ड से हटा देते हैं।

पीयूष गोयल बोले- राहुल गांधी झूठ का पुलिंदा हैं

राहुल गांधी पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, राहुल गांधी झूठ का पुलिंदा हैं। वह पूरी तरह से गलत जानकारी फैलाते हैं। मैं यह साफ करना चाहता हूं कि यूएस-इंडिया ट्रेड डील में भारत के हितों और भारतीय किसानों के हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है। भारतीय किसानों के ज्यादातर प्रोडक्ट, हमारी डेयरी, पोल्ट्री, चावल, गेहूं, सोयाबीन और मक्का, केला, स्ट्रॉबेरी, चेरी, संतरा, सब्जियां, इथेनॉल, तंबाकू, मीट, दालें, बाजरा, रागी- किसानों का लगभग 90-95 फीसदी प्रोडक्ट यूएस ट्रेड डील से बाहर है और जो भारत की जरूरत है, जिसे हम आज भी इंपोर्ट करते हैं, जिससे हमारे देश के किसानों को कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हमने ऐसी चीजों को अमेरिका के लिए सोची-समझी रणनीति के तहत सोच-समझकर खोला है। एक तरह से किसानों के हितों में एक बहुत अच्छी यूएस ट्रेड डील हुई है, लेकिन राहुल गांधी पार्लियामेंट में बैठकर इसके बारे में झूठ बोलते है।

● 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी

दुश्मन की खैर नहीं! राजनाथ सिंह का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना और नौसेना की ताकत में इजाफा करने के लिए रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 114 राफेल लड़ाकूविमान और छह पी-81 समुद्री गश्ती विमानों की खरीद के लिए मंजूरी दे दी है। गुरुवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में भारतीय वायुसेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए मंजूरी दे दी है। इस सौदे की कुल कीमत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपए बताई जा

रही है। इसके साथ ही परिषद ने भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा के लिए छह पी-81 समुद्री गश्ती विमानों की खरीद को भी मंजूरी दी है। हालांकि रक्षा अधिग्रहण परिषद की मंजूरी के बाद इस सौदे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी से भी मंजूरी लेनी होगी। रक्षा अधिग्रहण परिषद का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब भारतीय वायुसेना विमानों की भीषण कमी से जूझ रही है।

ऑपरेशन सिंदूर में हुआ था राफेल विमानों का इस्तेमाल

राफेल विमानों का इस्तेमाल भारत ने पिछले साल मई में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर में किया था, जिसमें पाकिस्तान के ठिकानों पर सटीक हमले किए गए थे। राफेल विमानों का इस्तेमाल स्कैल्प (एससीएएलपी) मिसाइल को लॉन्च करने के लिए किया गया था, जो 250 किलोमीटर से ज्यादा दूर तक बहुत सटीक हमला कर सकती है। इसके अलावा यह मेटियोर हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, हैमर हथियार, स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और आधुनिक रडार से भी लैस है।

असम में रचा गया इतिहास हाईवे पर उतरा फाइटर जेट

● आकाश को चीरते हुए आया नजर,पीएम करेंगे उद्घाटन

डिब्रूगढ़ (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने पूर्वोत्तर के पहले आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) पर परीक्षण अभ्यास शुरू किया। भारतीय वायु सेना के टच-एंड-गो ऑपरेशन के पूर्ण पूर्वाभ्यास से पहले पहला राफेल विमान मोरान आपातकालीन लैंडिंग सुविधा पर उतरा। सुखोई-30 और राफेल लड़ाकू विमानों ने डिब्रूगढ़ के मोरान के आसमान में गर्जना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 फरवरी की यात्रा से पहले इस ऐतिहासिक हवाई प्रदर्शन को देखने के लिए स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। सुखोई-30, राफेल लड़ाकू विमान, स्वदेशी तेजस जेट, हरक्यूलिस ट्रांसपोर्टर और एंटोनोव एएन-32 विमानों सहित उन्नत लड़ाकू विमानों ने मोरान में विशेष रूप से निर्मित 4.2 किलोमीटर लंबी राजमार्ग हवाई पट्टी पर लैंडिंग और टेक-ऑफ का प्रदर्शन किया। सैन्य विमानन शक्ति की एक झलक पाने के लिए सैकड़ों दर्शक हवाई अड्डे पर जमा हो गए, जिससे वे रोमांचित हो गए। एनएच-127 पर स्थित आपातकालीन लैंडिंग सुविधा के प्रमुख स्थानों पर छात्र, बच्चे और स्थानीय निवासी जमा हो गए। विशाल विमान के उतरते ही और फिर एक के बाद एक गर्जना करते हुए नीले आकाश में वापस उड़ जाने पर खुशी से झूम उठे और हाथ हिलाए।

फिर घेरेगी ईडी, मुश्किल में फंसेंगे केजरीवाल!

● समन अनदेखी मामले में निचली अदालत से राहत को देगी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया है कि वह दिल्ली आबकारी शुल्क नीति मामले में एजेंसी के समन का पालन न करने के आरोप में अरविंद केजरीवाल को दो मामलों में बरी करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती देगी। ईडी ने समन की अनदेखी करने के मामले में अरविंद केजरीवाल की दोबारा कानूनी घेरेबंदी करने की तैयारी कर ली है। ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दिल्ली हाईकोर्ट को सूचित किया गया कि वह दिल्ली आबकारी मामले में समन का पालन नहीं करने के आरोप में अरविंद केजरीवाल को दो मामलों में बरी करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती देगी। ईडी की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि एजेंसी ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करेगी। इसी साल 22 जनवरी को ट्रायल कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को उनके खिलाफ दर्ज दो अलग-अलग मामलों में बरी कर दिया था।

● कश्मीर से हिमाचल तक टेंशन में किसान! बढ़ गई हैं चिंताएं

यूएस संग ट्रेड डील से संकट में 10000 करोड़ की इंडस्ट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने घाटी के सेब उत्पादकों को भरोसा दिलाया था कि वह सेब इम्पोर्ट को लेकर उनकी चिंताओं को केंद्र सरकार तक पहुंचाएंगे लेकिन इस ट्रेड ने अब उनकी चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर कश्मीर से लेकर हिमाचल प्रदेश तक के सेब किसानों में चिंता बढ़ गई है।

किसानों को डर है कि अगर अमेरिकी सेब सस्ते दाम पर भारतीय बाजार में आने लगे, तो स्थानीय सेब की मांग और कीमत

दोनों गिर सकती हैं। इस डील के तहत कई देशों से आने वाले सेब पर आयात शुल्क कम किया जा रहा है। पहले ज्यादा कीमत होने के कारण विदेशी सेब कम मात्रा में आते थे, लेकिन अब ड्यूटी कम होने से आयात बढ़ने का डर है। कश्मीर की अर्थव्यवस्था में सेब उद्योग बहुत अहम है। हजारों परिवार सीधे या परोक्ष रूप से इससे जुड़े हैं। ऐसे में अगर विदेशी सेब ज्यादा आए, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार पर असर पड़ सकता है।

● 10,000 करोड़ रुपये की है सेब इंडस्ट्री-बता दें कि सेब इंडस्ट्री जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था, खासकर कश्मीर घाटी की इकॉनमी का आधार और रीढ़ है। घाटी देश के कुल सेब उत्पादन का 75 फीसदी पैदा करती है। आधिकारिक आंकड़ों के के मुताबिक घाटी में करीब 20 लाख मीट्रिक टन सेब पैदा होते हैं और इस सेब इंडस्ट्री की कीमत 10,000 करोड़ रुपये है। अधिकारियों का कहना है कि इस इंडस्ट्री में सीधे या अप्रत्यक्ष करीब 50 लाख लोग जुड़े हुए हैं। फिलहाल किसान संगठन सरकार से सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में सेब किसानों ने भारत-यूएस डील में खेती की उपज, खासकर सेब को शामिल करने के खिलाफ 12 फरवरी को बंद और विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। कश्मीर के किसान भी परेशान हैं।

पंजाब में बीजेपी दो पुराने साथी मिटा रहे दूरियां

गवर्नर की पदयात्रा में कदमताल करते नजर आई टॉप लीडरशिप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल यानी 2027 में विधानसभा चुनाव हैं। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी जहां सरकार दोबारा बनाने के लिए एडी चोटी का जोर लगा रही है, वहीं भाजपा अपना आधार बनाने की कोशिशों में जुटी है लेकिन भाजपा के लिए पंजाब की राह आसान नहीं है। ऐसे में पुराने सहयोगी शिरोमणि अकाली दल से बिगड़ी बात बनाने के अंदरखाते प्रयास भी हो रहे हैं। नए कृषि कानूनों के विरोध में अकाली दल और भाजपा का गठबंधन टूट गया था, जिसके बाद न तो किसी चुनाव में अकाली दल उभर पाया और न ही भाजपा। पिछले विधान सभा चुनाव और लोक सभा चुनाव में

भी दोनों के बीच गठबंधन की चर्चाएं होती रहीं मगर बात नहीं बनी। अब एक बार फिर से दोनों दलों के एक होने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। इस बात को मंगलवार को और बल तब मिला, जब फिरोजपुर में पंजाब के गवर्नर गुलाब चंद कटारिया ने नशामुक्ति को लेकर पदयात्रा की, जिसमें दोनों दलों की टॉप लीडरशिप एक साथ कदमताल करती नजर आई। पंजाब बीजेपी के कार्यकारी प्रधान अश्वनी शर्मा के साथ सुखबीर बादल भी इस पदयात्रा में शामिल हुए। 2020 में गठबंधन टूटने के बाद यह पहला मौका था, जब दोनों दलों के नेता साथ थे।

● डेरा ब्यास के बाबा बनेंगे गठबंधन के सूत्रधार!- अकाली दल और भाजपा के बीच गठबंधन में डेरा ब्यास मुखी की भूमिका अहम मानी जा रही है। इस यात्रा में डेरा ब्यास के बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो भी शामिल हुए थे। यात्रा के दौरान स्कूल के बंद कमरे में डेरा मुखी, गवर्नर और भाजपा नेताओं की मीटिंग हुई, जिसको लेकर पंजाब की राजनीति में हलचल मच गई। इसके बाद शाम को अकाली नेता बिक्रम मजीठिया भी डेरा मुखी से मिलने ब्यास पहुंचे। मजीठिया लगातार गठबंधन की पैरवी कर रहे हैं। 7 महीने से जेल में बंद अकाली नेता बिक्रम मजीठिया से सुबह उनकी मुलाकात हुई थी और दोपहर तक जमानत मिल गई थी।

● नफा-नुकसान देख कर फैसला करेगा भाजपा हाईकमान-अकाली दल 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले किसी भी तरह भाजपा से गठबंधन करना चाहता है, क्योंकि यह गठबंधन पहले भी पंजाब में सरकार बना चुका है। इस बात पर पंजाब भाजपा के नेता भी दो धड़ों में बंटे हुए हैं। एक धड़ा गठबंधन चाहता है मगर दूसरा नहीं। भाजपा हाईकमान भी पंजाब में विरोधी दलों की तैयारियों और उनके मुकाबले भाजपा संगठन की धरातल पर स्थिति व भावी संभावनाओं की समीक्षा और आकलन कर रही है। भाजपा-अकाली गठबंधन के नफा और नुकसान इन दोनों पहलुओं पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। अंतिम फैसले में भले समय लग सकता है मगर राज्यपाल के साथ अकाली और भाजपा नेताओं की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि दोनों दलों के बीच सियासी कड़वाहट काफी हद तक कम जरूर हो गई है।

भारत की सुरक्षा के लिए देंगे खतरनाक हथियार

● भारत के साथ ट्रेड डील के बाद बदले अमेरिका के सुर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का शासन आने के बाद से भारत के साथ संबंधों में लगातार गिरावट आ रही थी। बात इस हद तक बिगड़ गई थी कि ट्रंप ने भारत की अर्थव्यवस्था को तो भला-बुरा कहा ही और फिर टैरिफ भी थोप दिए। अब ट्रेड डील के बाद एक बार फिर से दोनों देशों से संबंधों में गर्मजोशी देखने को मिल रही है। अमेरिका की तरफ से भारत के साथ रक्षा और आर्थिक सहयोग का दायरा बढ़ाने के संकेत दिए गए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग में एशियाई मामलों के सहायक सचिव पॉल कपूर ने इस बात की पुष्टि की है कि दोनों देश लगातार रक्षा संबंधी खरीद पर बात

कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका और भारत लगातार अधिक हथियार प्रणालियों की खरीद पर काम कर रहे हैं। इनसे भारत की रक्षा क्षमता और भी ज्यादा मजबूत होगी और इसके साथ ही अमेरिका में भी लोगों को रोजगार मिलेगा। कपूर ने इस बात की पुष्टि की है कि कई तरह के खतरनाक हथियार, जो कि भारत की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेंगे, इस वक्त दोनों देशों के बीच में चर्चा का विषय बने हुए हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी अधिकारी का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब भारत की तरफ से 114 राफेल फाइटर जेट को खरीदने की मंजूरी दी जा चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

नाराज कांग्रेसियों की आज से जनसंपर्क यात्रा
17 मार्च को महासम्मेलन, सदाकत आश्रम में आयोजन के लिए प्रदेश अध्यक्ष को लिखा पत्र

पटना। बिहार कांग्रेस में अपनी ही पार्टी से नाराज चल रहे कांग्रेसी 17 मार्च को महासम्मेलन करने वाले हैं। इसे लेकर आज से जनसंपर्क यात्रा शुरू हो रही है। यह दूसरे चरण की यात्रा आज नालंदा और नवादा में होगी। नाराज कांग्रेसियों की ओर से बिहार में एक नया कांग्रेस बनाने की बात कही गई है। पूरे बिहार से कांग्रेसियों को आमंत्रित किया जा रहा है। दूसरे फेज में नालंदा, शेखपुरा, लक्खीसराय, जमुई, बांका, भागलपुर, कटिहार, पुर्णियां, किशनगंज, अररिया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, खगड़िया, बेगूसराय और समस्तीपुर में जनसंपर्क यात्रा होगी। पूर्व विधायक छत्रपति यादव ने बताया कि महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए जारी संपर्क यात्रा में कांग्रेसियों का अपार समर्थन मिल रहा है। अबतक की 7 जिलों की उनकी जनसंपर्क यात्रा बहुत ही उत्साहजनक रहा। वहीं, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य आनंद माधव ने कहा कि शायद जिलों में हमारी सफलता से घबराकर प्रदेश कांग्रेस की ओर से यह कार्यालय आदेश जारी किया गया है कि जिले के कोई पदाधिकारी समर्पित कांग्रेसियों को सहयोग ना करें। जिला कांग्रेस के अधिकारी कोई बंधुआ मजदूर नहीं हैं। प्रथम चरण में 7 जिलों- भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गयाजी, जहानाबाद और अरवल का दौरा किया गया है। सभी बागी कांग्रेसजन यह सम्मेलन सदाकत आश्रम में ही करना चाहते हैं, जिसके लिए प्रदेश अध्यक्ष को एक पत्र राजीव सभागार आवंटन के लिए भेजा गया, लेकिन उनके कार्यालय ने पत्र लेने से साफ इंकार कर दिया। उसके बाद यह पत्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम को वाट्सअप पर भेजा गया है और स्पीड पोस्ट भी कर दिया गया। सदाकत आश्रम नहीं मिलने पर भी सम्मेलन वैकल्पिक जगह पर आयोजित किया जाएगा।

जेसीबी से खोदे गड्ढे में डूबकर किशोर की मौत, वैशाली में दोस्तों के साथ गया था बाहर, खेलने के दौरान हादसा

हाजीपुर। वैशाली के गरौल थाना क्षेत्र में जेसीबी से खोदे गए एक गड्ढे में डूबने से 12 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। यह घटना बुधवार दोपहर को हुई। मृतक की पहचान गरौल थाना क्षेत्र निवासी अरविंद महतो के बेटे सत्यम कुमार के रूप में हुई है। सत्यम बुधवार दोपहर स्कूल से लौटने के बाद दोस्तों के साथ खेलने के लिए घर से निकला था। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान, लोगों की नजर पानी में तैरते हुए उसके चप्पल पर पड़ी, जिससे अनहोनी की आशंका हुई। स्थानीय लोगों ने पानी से भरे गड्ढे में खोज अभियान चलाया। कुछ देर बाद सत्यम का शव गड्ढे से बरामद किया गया। यह गड्ढा घर के पास ही जेसीबी मशीन से खोदा गया था और उसमें पानी भरा हुआ था। मृतक सत्यम पांच बहनों में इकलौता भाई था। उसके पिता मजदूरी करते हैं। घटना की सूचना गरौल थाने की पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है।

हाजीपुर में युवक का कमरे में मिला शव, पुलिस आत्महत्या मान रही, साथी ने हत्या की जताई आशंका

हाजीपुर। वैशाली के औद्योगिक थाना क्षेत्र स्थित राजपूत नगर में एक किराए के मकान से 19 वर्षीय युवक आकाश मजूमदार का शव संदिग्ध अवस्था में बरामद किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और परिजनों के आने का इंतजार कर रही है। आकाश पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के निवासी थे। आकाश मजूमदार जौहर मजूमदार के पुत्र थे और मूल रूप से पश्चिम बंगाल के पूर्वस्थली थाना क्षेत्र के सुमुरिया गांव के निवासी थे। उनका शव सात फीट की ऊंचाई से चार फुट के गमछे से लटका हुआ पाया गया। मृतक के एक साथी ने बताया कि बुधवार सुबह वे साथ खाना खाकर ऑफिस गए थे। दोपहर में आकाश तबीयत खराब होने की बात कहकर कमरे पर लौट आया था। कुछ देर बाद आकाश के पिता ने फोन कर जानकारी दी कि आकाश का अपनी प्रेमिका से विवाद हुआ है और इसी बात से नाराज होकर वह आत्महत्या करने जा रहा है। जानकारी मिलने पर जब साथी कमरे पर पहुंचा तो कमरा बाहर से बंद था। उसने खिड़की से देखा तो आकाश का शव लटका हुआ था, जिसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। साथी ने शव की स्थिति देखकर हत्या का संदेह जताया है। साथी के अनुसार, कमरे की खिड़की की ऊंचाई सात फीट है, जबकि युवक की लंबाई पांच फीट थी और फंदे में इस्तेमाल गमछे की लंबाई लगभग तीन फीट थी। इन परिस्थितियों में आत्महत्या संभव नहीं लगती। औद्योगिक थानाध्यक्ष अरविंद कुमार पासवान ने बताया कि राजपूत नगर में एक घर से युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला है। प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है क्योंकि कमरा भीतर से बंद था। पुलिस ने शव को सुरक्षित रखा है और परिजनों के आने का इंतजार कर रही है।

सोनपुर में अवैध हथियार के साथ 3 युवक गिरफ्तार, सारण पुलिस ने चाकूबाजी मामले में की कार्रवाई

हाजीपुर। सारण पुलिस ने सोनपुर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों के तहत की गई। रात्रि गश्ती के दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने चाकूबाजी कांड में संलिप्त अभियुक्त बादल कुमार उर्फ अमन राय को मानपुर, सोनपुर से पकड़ा। पूछताछ में बादल कुमार ने विकास कुमार को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल करने की बात स्वीकार की। घायल विकास कुमार का इलाज वर्तमान में सदर अस्पताल, हाजीपुर में चल रहा है। सत्यापन में पता चला कि गिरफ्तार अभियुक्त बादल कुमार का लंबा आपराधिक इतिहास है और वह पहले भी आर्म्स एक्ट के मामलों में जेल जा चुका है। उसने पुलिस को हथियार छिपाकर रखने संबंधी जानकारी दी थी। इस सूचना के आधार पर सोनपुर पुलिस टीम ने पहलेजा शाहपुर दियारा के पुरवारी टोला स्थित एक घर की घेराबंदी कर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान रविन्द्र राय उर्फ गोप जी और अरविन्द राय नामक दो अन्य अभियुक्तों को हिरासत में लिया गया। उनकी तलाशी लेने पर एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बरामद सभी वस्तुओं को विधिवत जब्त कर तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस संबंध में सोनपुर थाना में कांड संख्या 128/26 दर्ज किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस टीम में सोनपुर थाना के थानाध्यक्ष और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

इंटर के छात्र की पिटाई, एग्जाम सेंटर के बाहर युवकों ने घेरा, लात-घूसों और बेल्ट से मारा, सिर फटा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में इंटर एग्जाम देने आए एक छात्र की बेरहमी से पिटाई की गई है। इसका वीडियो भी सामने आया है। एमपीएस साइंस कॉलेज में एग्जाम देने पहुंचा था। इस दौरान कुछ युवकों ने उसे घेर लिया। बेल्ट और लात-घूंसों से जमकर। मारपीट में छात्र का सिर फट गया। पीड़ित की पहचान प्रियांशु कुमार(15) के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार, एग्जाम सेंटर पर कुछ छात्रों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इस विवाद के बाद स्थानीय युवकों ने प्रियांशु को घेर लिया और उस पर हमला कर दिया। घटना सदर थाना क्षेत्र की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, छह से ज्यादों युवकों ने छात्र पर हमला किया था। स्थानीय लोगों के शोर मचाने पर हमलावर भाग निकले। इसके बाद घायल को इलाज के लिए डॉक्टर के पास ले गए। परिजन गोविंदा ने बताया साइंस कॉलेज में कॉमर्स की परीक्षा चल रही थी। मामूली विवाद को लेकर स्थानीय लड़कों को बुलाया लिया गया। बेरहमी से बच्चे को मारा है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सदर थानेदार अस्मित कुमार ने बताया कि कॉलेज के पास मारपीट की सूचना मिलते ही तुरंत पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। घायल छात्र का बयान दर्ज किया जाएगा और सीसीटीवी फुटेज की जांच कर दोषियों की पहचान की जाएगी। हमलावर युवकों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

लेबर कोड के खिलाफ सड़क पर उतरी माले, दीपांकर भट्टाचार्य बोले- देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक संरचना बचाना जरूरी

200 दिन रोजगार, 600 रुपये मजदूरी की मांग

एजेंसी, पटना

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर आयोजित देशव्यापी आम हड़ताल के समर्थन में आज पटना में व्यापक प्रदर्शन देखने को मिला। भाकपा (माले) के महासचिव का. दीपंकर भट्टाचार्य के साथ सैकड़ों की संख्या में मजदूर, किसान और विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। यह जुलूस बुद्ध स्मृति पार्क से निकल कर डाकबंगला चौराहे तक आया, जहां सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर आवाज बुलंद की गई। डाकबंगला चौराहे पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि मजदूरों की यह हड़ताल सिर्फ वेतन और काम के अधिकार की लड़ाई नहीं है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक संरचना को बचाने की भी लड़ाई है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक हड़ताल को खेत मजदूरों, किसानों, छात्रों और नौजवानों का व्यापक समर्थन मिला है, जो केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ बढ़ते जनाक्रोश का स्पष्ट संकेत है।

4 श्रम कोड को बताया मजदूर-विरोधीः भाकपा माले ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए 4 श्रम कोड को मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन श्रम कोड के जरिए मजदूरों को संगठित होने, यूनियन बनाने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की ताकत को कमजोर किया जा रहा है। जैसे किसानों के ऐतिहासिक आंदोलन ने सरकार को 3 कृषि कानून वापस लेने के लिए मजबूर किया, वैसे ही मजदूरों का संगठित संघर्ष 4 श्रम कोड को भी वापस लेने पर मजबूर करेगा। उन्होंने दावा किया कि ये श्रम कोड पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने और श्रम कानूनों को लचीला बनाकर कॉरपोरेट हितों को कानूनी संरक्षण देने की साजिश हैं।

मनरेगा के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह कानून ग्रामीण गरीबों और खेत मजदूरों के लिए रोजगार की गारंटी के रूप में बना था, लेकिन वर्तमान सरकार इसे कमजोर करने की दिशा में काम कर रही है। मजदूर संगठनों की ओर से मांग रखी गई कि मनरेगा के तहत कम से कम 200 दिन का रोजगार और 600 रुपये प्रतिदिन मजदूरी सुनिश्चित की जाए। सरकार की नीतियों के कारण ग्रामीण बेरोजगारी और आर्थिक संकट बढ़ रहा है।

भाकपा माले ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने देश की खेती-किसानी को बहुराष्ट्रीय कंपनियों और विदेशी हितों के सामने गिरवी रख दिया है। कृषि क्षेत्र को बाहरी दबावों के लिए खोलना राष्ट्रीय हितों के खिलाफ है और इससे देश की 60 प्रतिशत आबादी प्रभावित होगी। शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, संघीय ढांचे को कमजोर किया जा रहा है और शिक्षा के क्षेत्र में एक विशेष विचारधारा थोपने की कोशिश की जा रही है।

बगहा में छाया घना कोहरा, विजिबिलिटी जीरो

एजेंसी, पटना

- बिहार में अगले 48 घंटे में 3 डिग्री चढ़ेगा पारा, 18 फरवरी तक मौसम रहेगा सामान्य

बिहार में सुबह-शाम ठंड महसूस की जा रही है। हालांकि, दिन चढ़ते ही धूप निकलती है और मौसम सामान्य हो जाता है। बगहा में घना कोहरा छाया हुआ है। विजिबिलिटी जीरो है। दिन में भी लोग गाड़ी की लाइट जलाकर ड्राइव कर रहे हैं। 18 फरवरी तक मौसम में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है। इस दौरान न्यूनतम तापमान 8 से 14 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो सुपौल और मोतिहारी में घना कोहरा दिखा। पटना में भी सुबह हल्की धुंध थी, लेकिन दिन में तेज धूप निकली थी।

3 डिग्री और चढ़ेगा पाराः बिहार के कुछ जिलों में 48 घंटे के बाद तापमान में 2-3 डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। फरवरी मध्य तक बिहार में आमतौर पर शुष्क मौसम रहता है। वर्षा के लिए पर्याप्त नमी और सक्रिय सिस्टम का होना जरूरी होता है, जो फिलहाल मौजूद नहीं है। मौसम विभाग के पटना केंद्र के अनुसार, इस समय सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का मुख्य प्रभाव पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र तक सीमित है। जेट स्ट्रीम की स्थिति और नमी की कमी के कारण इसका असर बिहार तक मजबूत रूप से नहीं पहुंच रहा है। यही कारण है कि राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बना हुआ है। उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता फिलहाल कम है। इसके कारण बादल और बारिश की स्थिति नहीं बन रही है। साथ ही पछुआ हवा की रफ्तार भी सामान्य है, जिससे ठंड कम महसूस की जा रही है।

पटना सिविल कोर्ट में वकीलों ने ठप किया काम

एजेंसी, पटना

महिला वकील इंदिरा लक्ष्मी की संदिग्ध परिस्थिति में बुधवार के दिन मौत हो गई थी। राजेंद्र नगर रोड नम्बर 2 स्थित बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर के बरामदे में बॉडी पाई गई थी। बॉडी पूरी तरह से झुलसी थी। इस मामले को लेकर पटना सिविल कोर्ट के अधिवक्तों ने आज DBA की बैठक बुलाई। बैठक के बाद अरविंद कुमार मउआर सेक्रेटरी ने बताया कि हमलोगों की महिला साथी इंदिरा लक्ष्मी की मौत विशेष परिस्थिति में हुई है। उन्हें न्याय मिले। इसीलिए उनके समर्थन में आपात बैठक बुलाई गई थी। सुबह 10:30 बजे हमलोगों ने कार्य बहिष्कार का फैसला लिया है। पटना हाई कोर्ट, पटना SSP समेत तमाम वरीय अधिकारियों से उच्च स्तरीय और न्यायिक जांच की मांग हमलोगों ने की है।

महिला ग्राउंड फ्लैट में रहती थीं। बिल्डिंग काफी पुरानी है। G+1 की बिल्डिंग है। घटना के वक्त दूसरे फ्लैट में रेंटर और कुछ परिवार के लोग भी थे। पुलिस की पूछताछ में महिला केयर टेकर ने बताया कि देर रात तक बरामदे में बैठी थीं। सुबह के वक्त बॉडी जली अवस्था में पड़ी हुई थी। गेट पर लोहे का गेट लगा था, जो बंद था।

महिला के पति पहुंचे पटनाः महिला वकील घर पर अकेले ही रहती थीं। घटना के वक्त पति रांची में और बेटी दिल्ली में थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पति दोपहर तक पोस्टमॉर्टम रूम आ गए थे। उन्होंने बताया कि 1 फरवरी को मेरे पास से लौटकर पटना आई थीं। एक सप्ताह से बात नहीं हुई थी। सब कुछ सामान्य चल रहा था। बेटी मेरी बाहर है, उसके पहुँचने के बाद ही इस मामले में मैं कुछ और बता पाऊंगा।

पटना में दिनदहाड़े मर्डर-23 सेकेंड में 10 बार चाकू मारे, हत्या के बाद आराम से बाल सेट किए

एजेंसी, पटना

- चाकू पर लगा खून छिटका और निकल गया बदमाश

पटना सिटी में गुरुवार को दिनदहाड़े 26 साल के भांजे ने 62 साल के मामा की हत्या कर दी। उसने पहले पीछे से गले पर हमला किया, जैसे ही मामा गिरा वो चाकू से ताबड़तोड़ वार करने लगा। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा कि बदमाश ने बीच सड़क 23 सेकेंड में करीब 10 बार चाकू से वार किए हैं। इस बीच आसपास के लोग भी गुजर रहे थे, पर किसी ने बचाने की कोशिश नहीं की। सभी तमाशा देख रहे थे। हमले के बाद युवक ने अपने बाल ठीक किए। चाकू पर लगा खून छिटका और बड़े आराम से आगे निकल गया। मृतक की पहचान मोहम्मद रईस (62) के रूप में हुई है। वहीं आरोपी का नाम अयाज है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। रईस टेलर था। अयाज बेरोजगार था। घटना की सूचना मिलने के बाद चौक थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू कर दी है।

23 सेकेंड में 10 बार चाकू से हमलाः गुरुवार सुबह करीब पौने 11 बजे रईस किसी काम के लिए बाहर निकला था। मौके से आए CCTV फुटेज में भी रईस सड़क पर जाते दिख रहा है। थोड़ी देर में अयाज की एंट्री होती है। वो थोड़ी देर में रईस के साथ चलने लगता है। दोनों 17 कदम ही चलते हैं कि अयाज चाकू निकालना है और रईस की गर्दन पर हमला कर देता है। एक पोल के पास रईस गिर जाता है। अयाज ताबड़तोड़ 10 से ज्यादा बार चाकू से हमले करता है। इस दौरान लोग वहां आते-जाते भी दिखाई दे रहे हैं, लेकिन कोई अयाज को रोकने की कोशिश नहीं करता है। हत्या के बाद अयाज अपने बालों को सेट करता है और चाकू पर लगा खून झटकते हुए बड़े आराम से निकल जाता है। लोग इस पूरी हत्या को देखते रहते हैं, लेकिन कोई रईस की मदद के लिए आगे नहीं आता है।

भाई बोला- किसी से दुश्मनी नहीं थीः मोहम्मद रईस के चचेरे भाई मोहम्मद रियाज ने बताया कि 'रईस का किसी से कोई विवाद या दुश्मनी नहीं थी। समझ नहीं आ रहा कि उनकी हत्या किसने और क्यों की।'

मामा का गला काटा, बोला- पत्नी को टॉर्चर करते थेः आरोपी का नाम मोहम्मद अयाज है। वो मोहम्मद रईस का रिश्ते में भांजा लगता है। अयाज की उम्र 26 साल है। पुलिस ने अयाज को चौक थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस ने उस हथियार को भी बरामद कर लिया है जिससे अयाज ने मामा मोहम्मद रईस की हत्या की। पूछताछ में अयाज ने बताया कि 'मेरी पत्नी को मामा के परिवार के लोग परेशान करते थे। टॉर्चर किया जाता था। इसी का बदला लेने के लिए मैंने उन्हें मार दिया।'

पुलिस बोली- हत्या के पीछे पारिवारिक वजहः पटना सिटी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-2 डॉक्टर गौरव कुमार ने बताया कि 'आज पौने 11 बजे चौक थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक लाश पड़ी है। पुलिस मौके पर पहुंची। FSL की टीम को बुलाया गया है।'

कोचिंग के चौथे फ्लोर से गिरकर छात्रा की मौत

एजेंसी, पटना

- पटना में सीसीटीवी में सीढ़ियों से ऊपर जाती दिखी, पीछे 2 लड़के थे, पिता बोले- मर्डर

पटना के दानापुर में गुरुवार को 12वीं की छात्रा की लाश मिली है। छात्रा सुबह 8 बजे घर से कोचिंग के लिए निकली थी। उसकी कोचिंग से थोड़ी दूर पर ही उसकी बॉडी पड़ी मिली। लड़की की पहचान पिंकी कुमारी है। उसकी उम्र 17 साल है। वो फुलवारीशरीफ की रहने वाली थी। परिवार का आरोप है कि उसके साथ रेप किया गया है। इसके बाद कोचिंग के चौथे फ्लोर से धक्का दिया गया है।

कोचिंग के CCTV में छात्रा दिखाई दे रही है। इसमें वो हड़बड़ी में सीढ़ियों पर जाती दिख रही है। उसके पीछे 2 लड़के भी हैं। थोड़ी देर बाद छात्रा ब्लिडिंग से नीचे गिरती दिख रही है। पुलिस ने फिलहाल उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। कोचिंग के CCTV खंगालने के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। घटना AIIMS गोलंबर के पास हरी नगर कॉलोनी की है। पुलिस ने पूछताछ के लिए 3 लोगों को डिटेन किया है।

सुबह 8 बजे कोचिंग के लिए निकली थी छात्राः पिता ने बताया कि 'वो सुबह 8 बजे कोचिंग के लिए निकली थी। 9 बजे सूचना मिली कि उसकी मौत हो गई है। हम कोचिंग पहुंचे तो सड़क पर उसकी लाश पड़ी थी। खून के निशान भी नहीं थे। हमने सोचा की नेचुरल डेथ हुई होगी। इसके बाद हम उसके शव को लेकर दीघा आ गए। पुलिस दीघा घाट पहुंची। पुलिस ने कहा कि पोस्टमॉर्टम करवाना होगा। इसके बाद हमने शव पुलिस को सौंप दिया। बेटी के शरीर पर चोट के भी निशाना है। उसकी हत्या की गई है। हम केस में जांच की मांग करते हैं।'

कोचिंग के CCTV में क्या मिलाः कोचिंग के CCTV में छात्रा सफेद कपड़ों में सीढ़ियों से ऊपर की ओर जाती दिख रही है। उसके पीछे एक लड़का जाता दिखाई दे रहा है। थोड़ी देर बाद एक और लड़का सीढ़ियों से जाता दिखाई देता है। CCTV में लड़की छत से गिरती दिख रही है। दोनों लड़के सीढ़ियों से लौटते भी दिख रहे हैं। लड़के बीच में रुककर लड़की की लाश देखते हैं और फिर दौड़कर भाग जाते हैं। पुलिस ने CCTV फुटेज को जब्त किया है। इसकी जांच की जा रही है।

किस हाल में मिली बॉडीः छात्रा की बॉडी कोचिंग के पास सड़क पर मिली है। पास ही उसकी चप्पल पड़ी मिली। मौके से खून के निशान नहीं मिले हैं। मौत कैसे हुई है इसे लेकर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की है। छात्रा के साथियों से भी पूछताछ हो रही है। इसके साथ कोचिंग संचालक से भी जानकारी ली जा रही है।

हॉस्टल की छत से गिरकर एक छात्रा की मौत हो गई है। परिवार इसे हत्या बता रहा है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है। हॉस्टल का एक CCTV फुटेज भी सामने आया है। इसमें लड़की सीढ़ियों से जाते दिख रही है। उसके पीछे दो लड़के भी दिखाई दे रहे हैं। जिस जगह से लड़की गिरी है वहां ज्यादा लोग आते-जाते नहीं थे। पुलिस CCTV फुटेज की जांच कर रही है।

पीएम की मां को गाली देने वाले शख्स की जमानत

एजेंसी, पटना

बिहार चुनाव के दौरान पीएम मोदी की मां को गाली देने वाले शख्स को पटना हाई कोर्ट से बेल मिल गई है। राहुल गांधी के वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा के मंच से पीएम की मां को आपत्तिजनक शब्द कहा गया था। राजा उर्फ रिजवी को 5 महीने से ज्यादा जेल में रहने के बाद बेल मिली और कल तक वह बाहर आ जाएंगे। युवक का केस लड़ रहे वकील रियाज अहमद ने पूरी मामले की जानकारी दी। युवक के खिलाफ देशद्रोह समेत तीन मामले पर एफआईआर दर्ज थे।

पटना हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे रियाज अहमद उनका केस लड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि 20 वर्षीय रिजवी ने 27 अगस्त को वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा के सिमरी थाना क्षेत्र के मानसरोवर ढाबा के पास यह घटना हुई थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम मोदी और उनकी मां के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ है। उसी संदर्भ में भाजपा के जिलाध्यक्ष ने FIR किया और उस शख्स को 29 अगस्त को लोकल चौकीदार के आइडेंटिफिकेशन पर गिरफ्तार किया गया। तब से वह युवक दरभंगा जेल में बंद था। कल उसका बेल एप्लीकेशन हाई कोर्ट द्वारा स्वीकार किया गया है। आज उसके जजमेंट की कॉपी आ जाएगी और कल तक जेल से बाहर आ जाएंगे।

पटना में लगेंगे 24 नए ऑटोमैटिक ट्रैफिक सिग्नल

एजेंसी, पटना

- पटना स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जुड़ेगी, ट्रैफिक की निगरानी डिजिटल तरीके से होगी

पटना में यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए नए ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएंगे। ट्रैफिक कंट्रोल करने के लिए ऑटोमेटिक वाहन को डिटेक्ट कर लाल, हरा और पीली लाइट जलने वाली 24 ट्रैफिक सिग्नल इंस्टॉल किया जाएगा। वर्तमान में शहर में करीब 28 सिग्नल लगे हैं। ट्रैफिक एसपी के प्रस्ताव पर मिली इस मंजूरी के बाद शहर में सिग्नलों की कुल संख्या 28 से बढ़कर 52 हो जाएगी। ये सभी सिग्नल पटना स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) से जुड़े होंगे, जिससे ट्रैफिक की निगरानी और संचालन डिजिटल तरीके से बेहतर हो सकेगा। जब जरूरत होगी तो इन्हें मैनुअल भी किया जाएगा।

ई-टॉयलेट को फिर से संचालित करने के लिए पॉलिसी बनेगीः वहीं, पटना स्मार्ट सिटी की खराब हो रही संपत्तियों को फिर से संचालित करने को लेकर पॉलिसी बनाई जाएगी। इसमें प्रमुख रूप से ई-टॉयलेट है। इसका सर्वे कराया गया है। फिर से संचालित कर ऑपरेशन और मेंटेनेंस के लिए जवाबदेही तय की जाएगी। इसके शुरू होने के बाद आय भी आएगा। इसके अलावा मौर्यलोक स्थित मौर्य मंडपम और जिम को आउटसोर्स किया जाएगा, ताकि उससे आय सृजन किया जा सके।

कॉमन फैसिलिटी सेंटर को बनेगा G+3 भवनः जीपीओ के पास स्थित सब-वे और मल्टीलेवल पार्किंग के बीच अंधेरे को दूर करने के लिए चिह्नित स्थान पर हाईमास्ट लाइट लगाई जाएंगी। सर्वे के बाद इसे बोर्ड से पास किया गया। मीठापुर में बन रहे कॉमन फैसिलिटी सेंटर को जी प्लस थ्री बनाया जाएगा। इसमें रेस्टोरेंट, बैंक, एटीएम, लाइब्रेरी, सैलून, मॉल सहित कई सुविधाएं मिलेगी। इसका काम मार्च तक पूरा हो जाएगा। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से कंकड़बाग के एक पार्क का रेनोवेशन किया जाएगा। इन सभी प्रस्तावों पर बुधवार को पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड की बोर्ड बैठक में मुहर लगी।

संक्षिप्त समाचार

हत्या कांड के दो नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी : पहाड़पुर थाना क्षेत्र में दर्ज एक हत्या कांड के दो नामजद अभियुक्तों को पुलिस ने छापामारी कर गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार पहाड़पुर थाना कांड संख्या-167/23 से संबंधित मामले में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दरोगा सिंह (पिता-स्व. गणेश सिंह, निवासी-सिसवा कान्ही टोला) तथा नरेश सिंह (पिता-भोला सिंह, निवासी-सिसवा चौबे), दोनों थाना-पहाड़पुर, जिला-पूर्वी चंपारण, को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापामारी में दोनों अभियुक्तों को विधिवत हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है और अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई भी की जा रही है। इस कार्रवाई को जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा गंभीर अपराधों के विरुद्ध पुलिस की सख्त कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

छापेमारी में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। शहर में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मोतिहारी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कथित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चार महिलाओं और दो पुरुष दलालों को गिरफ्तार किया। मौके से नकदी, स्कैनर मशीन, कई आधार कार्ड, वोटर आईडी, एटीएम कार्ड और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। बरामद दस्तावेजों को लेकर पुलिस अब संभावित फर्जीवाड़े की भी जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार प्रशिक्षु डीएसपी कुमारी प्रियंका को एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ था, जिसमें छतौनी थाना क्षेत्र के छोटा बरियारपुर स्थित चीनी मिल के पास एक झोपड़ी नुमा घर में अवैध गतिविधि संचालित होने की सूचना दी गई थी। आवेदन में आरोप लगाया गया था कि वहां देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए इसकी जानकारी तत्काल पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात को दी गई। एसपी के निर्देश पर प्रशिक्षु आईपीएस हेमंत सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने गुप्त रूप से सत्यापन करते हुए सोना मती मंदिर के समीप चिन्हित स्थान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान चार महिलाओं और दो पुरुषों को हिरासत में लिया गया। तलाशी के क्रम में कमरे से नकदी, स्कैनर मशीन, कई आधार कार्ड, कथित शक्ति बढ़ाने वाली दवाएं और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार बरामद स्कैनर और पहचान पत्रों की भूमिका संदिग्ध प्रतीत हो रही है। इस बात की जांच की जा रही है कि कहीं इनका इस्तेमाल किसी धोखाधड़ी या अन्य आपराधिक गतिविधि में तो नहीं किया जा रहा था। सभी आरोपियों को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। प्रशिक्षु आईपीएस हेमंत सिंह ने बताया कि नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

उत्पाद कांड के तीन अभियुक्त गिरफ्तार, शराब कारोबार पर पुलिस की सख्ती

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उत्पाद कांड के तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार भोपतपुर थाना कांड संख्या-23/26 (उत्पाद कांड) के प्राथमिकी अभियुक्त सूरज यादव (पिता-उपेंद्र राय, निवासी-चौबे टोला, थाना-भोपतपुर, जिला-पूर्वी चंपारण) को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसके विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसके अतिरिक्त कल्याणपुर थाना कांड संख्या-60/26 एवं 68/21 (उत्पाद कांड) के अभियुक्त गुड्डू कुमार (पिता-राम उदया ठाकुर, निवासी-बखरी गोपाल छपरा) तथा सुरेंद्र महतो (पिता-देव महतो, निवासी-गोविंदपुर), थाना-कल्याणपुर, को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों के विरुद्ध भी विधिसम्मत कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार सूरज यादव का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरुद्ध भोपतपुर थाना कांड संख्या-349/23 (उत्पाद अधिनियम), कल्याणपुर थाना कांड संख्या-423/23 (उत्पाद कांड) तथा भोपतपुर थाना कांड संख्या-124/25 (हत्या का प्रयास) दर्ज है।

पुलिस पर हमला, रोड जाम व आगजनी कांड के पांच अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। रामगढ़वा थाना क्षेत्र में पुलिस पर हमला, रोड जाम और आगजनी से जुड़े एक गंभीर मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रामगढ़वा थाना कांड संख्या-72/26 के तहत पुलिस टीम ने छापामारी कर संदीप कुमार उर्फ झूलन साह (पिता-धनेश साह), संत साह (पिता-मोतीलाल साह), मुन्ना साह (पिता-ब्रह्मदेव साह), शत्रोहन साह (पिता-नंदू साह), सभी निवासी-मुरला, तथा लहवर सहनी (पिता-लक्ष्मण सहनी, निवासी-मालाही टोला), थाना-रामगढ़वा, जिला-पूर्वी चंपारण, को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत हिरासत में लेकर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सूखे नशे के विरुद्ध कार्रवाई, महिला कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में चलाए जा रहे सूखा नशा विरोधी अभियान के तहत पुलिस ने एक महिला कारोबारी को मादक पदार्थों एवं नशा सामग्री के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस कार्रवाई के दौरान कलावती देवी (पति-महेश पंडित, निवासी-देवपुर परसा, थाना-कल्याणपुर, जिला-पूर्वी चंपारण) को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 350 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ, 690 ग्राम गांजा पैक करने वाली पुड़िया, 68 पीस स्मोक पेपर तथा 92 पीस मिट्टी के चिलम बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार बरामद सामग्री से नशा कारोबार में संलिप्तता के संकेत मिले हैं। अभियुक्ता के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

एमजीसीयू में जलवायु परिवर्तन, आर्थिक विकास, व्यापार एवं वित्त पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा "जलवायु परिवर्तन, आर्थिक विकास, व्यापार एवं वित्त" विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन के मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय श्रीवास्तव रहे, जबकि सह-संरक्षक के रूप में प्रो. शिरीष मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. सुब्रता रॉय द्वारा किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय के प्रो. बिनय श्रेष्ठा, विशेष अतिथि के रूप में पटना विश्वविद्यालय के डॉ. नागेन्द्र कुमार झा, तथा सम्मानित अतिथि के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. असीम मुखर्जी उपस्थित रहे। बतौर वक्ता डॉ. सपना सुगंधा सहित विभाग के अन्य प्राध्यापकगण ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत संयोजक डॉ. सुब्रता रॉय ने कुलपति एवं सभी अतिथियों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। अपने उद्घाटन संबोधन में कुलपति डॉ. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था प्रकृति और पर्यावरण से गहराई से जुड़ी हुई थी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि विकास केवल मानव-केंद्रित न होकर पर्यावरण-केंद्रित होना चाहिए। नई शिक्षा नीति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो प्राथमिक स्तर से लेकर शोध तक पर्यावरणीय चेतना को केंद्र में रखती है। उन्होंने सतत विकास को आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। इसके पश्चात डॉ. सपना सुगंधा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब केवल एक अकादमिक विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह मानव अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। उन्होंने ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया जो आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण—दोनों को साथ लेकर चले। मुख्य अतिथि प्रो. बिनय श्रेष्ठा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज हर राष्ट्र की वास्तविकता बन चुका है। व्यापार और विकास की सभी गतिविधियों को पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखकर संचालित किया जाना चाहिए। उन्होंने सतत विकास योजनाओं पर गंभीरता से कार्य करने का आह्वान किया। सम्मानित अतिथि डॉ. असीम मुखर्जी ने अपने भावनात्मक संबोधन में कहा कि पूर्वकाल में समाज प्रकृति को परिवार की तरह मानता था—भूमि, पेड़-पौधे और जंगल जीवन का अभिन्न हिस्सा थे। उस समय समाज "हम" पर आधारित था, जबकि आज "मैं और तुम" की मानसिकता बढ़ रही है। उन्होंने चेताया कि तकनीकी रूप से हम भले ही दुनिया से जुड़ रहे हों, लेकिन भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं, जो पर्यावरण संकट को और गहरा बना रहा है। विशेष अतिथि डॉ. नागेन्द्र कुमार झा ने कहा कि वित्त हमारे विकास का ईंधन है, व्यापार उसका माध्यम है और हमारा लक्ष्य समृद्धि, शांति तथा सुख है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थिरता के मूल उद्देश्य सामाजिक कल्याण और वैश्विक समृद्धि हैं तथा एक टिकाऊ विश्व के निर्माण के लिए आर्थिक गतिविधियों को पर्यावरणीय जिम्मेदारी से जोड़ना आवश्यक है। कार्यक्रम का समापन विषय से संबंधित पुस्तक के विमोचन एवं आयोजन समिति सदस्य डॉ. रविश चंद्र वर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। सम्मेलन में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। दो दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन ने जलवायु परिवर्तन और सतत विकास को लेकर गंभीर विमर्श का एक सशक्त मंच प्रदान किया।

ढाका में 62 आज़मीन-ए-हज की मेडिकल स्क्रीनिंग व टीकाकरण

» 15 फरवरी को मोतिहारी में लगेगा अगला शिविर

बीएनएम @ मोतिहारी

हज कमेटी ऑफ इंडिया एवं बिहार राज्य हज समिति, पटना के निर्देश पर गुरुवार को ढाका जामा मस्जिद में मेडिकल स्क्रीनिंग सह टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वर्ष 2026 में हज यात्रा पर जाने वाले 62 आज़मीन-ए-हज की मेडिकल जांच की गई तथा उन्हें दिमागी बुखार का टीका और पोलियो की खुराक दी गई। वहीं 70 वर्ष से अधिक आयु के आज़मीन-ए-हज को इंफ्लूएंजा का टीका भी लगाया गया। शिविर का निरीक्षण एडीएम मो. सिब्गातुल्लाह और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक निदेशक मोहम्मद साजिद ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 15 फरवरी को मोतिहारी जामा मस्जिद में स्क्रीनिंग सह टीकाकरण शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें शेष आज़मीन-ए-हज की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जिले से कुल 117 आज़मीन-ए-हज हज यात्रा पर जाएंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जामा मस्जिद ढाका के इमाम मौलाना नजरूल मोबीन नदवी, मस्जिद कमेटी के सचिव डॉ. शमीम अहमद, हज प्रशिक्षक मोहम्मद जाहिद कमर कासमी, राज्य हज निरीक्षक डॉ. अकील अहमद सहित कई लोगों ने सहयोग किया। टीकाकरण कार्य ढाका रेफरल अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पियूष कुमार, सीएचओ मोहम्मद इफ्तेखार आजम, सीएचओ इरफान अंसारी आदि की देखरेख में संपन्न हुआ। इसकी जानकारी एसएचआई डॉ. अहमद ने दी।

एम.एस कॉलेज में 'फाइलेरिया-रोकथाम शिविर' का सफल आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी स्थित सेहत केंद्र इकाई, एन.एस.एस. इकाई तथा पिरामल स्वास्थ्य के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 12 फरवरी 2026, गुरुवार को छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु फाइलेरिया रोकथाम शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को फाइलेरिया संक्रमण से बचाव, उसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा आवश्यक औषधि वितरण के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर विशेषज्ञों की देखरेख में फाइलेरिया से रोकथाम संबंधी दवाओं का वितरण किया गया तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श प्रदान किए गए। पिरामल स्वास्थ्य से आए परामर्शदाता श्री धीरेन्द्र प्रसाद ने फाइलेरिया संक्रमण एवं अन्य संबंधित बीमारियों के कारण, लक्षण एवं रोकथाम के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्वच्छता एवं नियमित दवा सेवन के महत्व पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में सेहत केंद्र इकाई के जिला नोडल पदाधिकारी सह राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार, सेहत केंद्र इकाई की नोडल पदाधिकारी एवं मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. विदुषी दीक्षित तथा एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम पदाधिकारी सह हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. गौरव भारती की सक्रिय उपस्थिति रही। पिरामल स्वास्थ्य से परामर्शदाता धीरेन्द्र प्रसाद, विकास कुमार वर्मा, हर्षित शुक्ला, साहिल, शोभा कुमारी, अशोक कुमार एवं आशा सेविका संजू कुमारी भी उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम. एन. हक़, शिक्षकगण डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. आलोक कुमार पांडेय, डॉ. अवनीश कुमार मिश्र, डॉ. रूपकथा घोष सहित अनेक छात्र-छात्राएँ एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने फाइलेरिया रोकथाम हेतु दवाओं का सेवन किया तथा स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत वक्तव्य के साथ हुआ, जिसमें डॉ. विदुषी दीक्षित ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ. अमित कुमार ने अपने संबोधन में नियमित स्वास्थ्य जांच एवं स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। अंत में डॉ. गौरव भारती ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय परिवार ने इस आयोजन को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल बताया।

महिला उद्यमिता की मिसालः किरण कुमारी बनीं आत्मनिर्भरता की प्रतीक

बीएनएम @ मोतिहारी

महिला उद्यमिता की एक प्रेरक पहल किरण कुमारी के नाम से सामने आई है। श्रीमती कुमारी ने 'मुख्यमंत्री उद्यमी योजना' का लाभ उठाकर आधुनिक ऑटोमेटिक फ्लोर मिल स्थापित कर यह साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सरकारी सहयोग से आत्मनिर्भरता का सपना साकार किया जा सकता है। गुरुवार को जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल ने श्रीमती कुमारी द्वारा संचालित ऑटोमेटिक फ्लोर मिल इकाई का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने उत्पादन प्रक्रिया, मशीनों की क्षमता, गुणवत्ता नियंत्रण और पैकेजिंग व्यवस्था का विस्तृत निरीक्षण किया। जिला प्रशासन ने यह समझने का प्रयास किया कि किस प्रकार एक छोटे स्तर का पारंपरिक व्यवसाय आधुनिक तकनीक से सुसज्जित उद्योग में बदला गया। 'मुख्यमंत्री उद्यमी योजना' के तहत प्राप्त वित्तीय सहायता से उन्होंने अत्याधुनिक स्वचालित मशीनें स्थापित कीं, साफ-सफाई एवं गुणवत्ता मानकों को बेहतर बनाया तथा आकर्षक पैकेजिंग की शुरुआत की। आज उनकी फ्लोर मिल में गेहूं का आटा एवं चोकर जैसे अनाज उत्पाद उच्च गुणवत्ता के साथ तैयार किए जा रहे हैं, जिनकी स्थानीय बाजार में अच्छी मांग है। उन्होंने यह भी बताया कि अपने व्यवसाय को आधुनिक रूप देने में उन्होंने डिजिटल माध्यमों का सहारा लिया। नई मशीनों की जानकारी, रख-रखाव की तकनीक और पैकेजिंग के आधुनिक तरीकों की जानकारी इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त की। इससे उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इनकी मेहनत का परिणाम है कि आज उनकी इकाई से कई स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है। इससे न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि अन्य परिवारों की आजीविका भी सुरक्षित हुई है। उनका यह सफर 'जॉब सीकर' से 'जॉब गिवर' बनने का प्रेरक उदाहरण है। जिला पदाधिकारी ने किरण कुमारी की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए जिले की महिलाओं और युवाओं से अपील की कि वे भी सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन, तकनीक के उपयोग और निरंतर परिश्रम से छोटे व्यवसाय को भी बड़े उद्यम में बदला जा सकता है। जिला पदाधिकारी ने आश्वासन दिया कि प्रशासन किरण कुमारी जैसे सभी उद्यमियों की हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। कोई भी मौजूदा या भावी उद्यमी प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र या जिला पदाधिकारी कार्यालय में अपनी समस्याएं साझा कर सकते हैं, जिनका यथासंभव समाधान किया जाएगा। यह कहानी केवल एक फ्लोर मिल की सफलता नहीं, बल्कि चंपारण की उस बदलती तस्वीर का प्रतीक है, जहां महिलाएं और युवा आत्मनिर्भर बनते हुए जिले के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

110 मामलों के निष्पादन पर प्रशिक्षु डीएसपी रिषभ कुमार सम्मानित

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने उत्कृष्ट कार्य के लिए हरसिद्धि थाना के प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष रिषभ कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जनवरी माह में हरसिद्धि थाना में दर्ज कुल 110 मामलों के सफल निष्पादन पर उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। बताया जाता है कि थाना में लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, अनुसंधान में तेजी तथा विधि-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाया गया था। इस दौरान पुराने मामलों की समीक्षा कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया गया। साथ ही फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी और कांडों के अनुसंधान में भी तेजी लाई गई। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कहा कि जिले के सभी थानाध्यक्षों को लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया गया है। हरसिद्धि थाना द्वारा एक माह में 110 मामलों का निष्पादन सराहनीय उपलब्धि है और अन्य थानों के लिए प्रेरणादायक भी। सम्मान मिलने पर प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष रिषभ कुमार ने इसे पूरी पुलिस टीम के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि आगे भी आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास जारी रहेगा।

मजदूरों, ऑटो व ई-रिक्शा चालकों की अखिल भारतीय हड़ताल रहा सफल

बीएनएम @ मोतिहारी

दसों ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर पूर्वी चंपारण जिले में आयोजित हड़ताल पूर्णतः सफल रही। निर्माण, परिवहन, सफाई, स्कीम वर्कर सहित विभिन्न विभागों के चालक एवं कर्मचारियों ने हड़ताल में भाग लिया। वामपंथी दलों, किसान सभा और खेत मजदूर यूनियनों ने भी पूरे जिले में व्यापक समर्थन दिया। मोतिहारी में सीटू के राज्य काउंसिल सदस्य सत्येंद्र कुमार मिश्रा, अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष शक्ति नाथ तिवारी, मोतिहारी जिला ऑटो एवं चालक संघ के जिलाध्यक्ष संजय गुप्ता, प्रदीप साहनी, लक्ष्मण साहनी, फिरोज आलम, प्रमोद राम, बिनोद राम, हेमराज हाशमी, एम.एम. कादरी, विपिन बिहारी दुबे, विकास कुमार, प्रीतेश कुमार, समसुल आलम, बिनोद सोनी, अशोक तिवारी, सलमान आलम, पवन ठाकुर, राजू आलम, ध्रुव गुप्ता, अखिलेश कुमार सहित अन्य नेताओं के नेतृत्व में बलुआ गोलंबर, बरियारपुर, कचहरी चौक, छतौनी, मीना बाजार, स्टेशन चौक तथा अरेराज सेवाराहा चौक पर ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों ने किसान सभा के समर्थन से प्रदर्शन किया। इस दौरान परिचालन पूरी तरह ठप रहा। सीटू के नेतृत्व में सैकड़ों ड्राइवरों का एक विशाल जुलूस बलुआ गोलंबर से जिला समाहरणालय तक निकाला गया। वहां सत्येंद्र कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में सभा आयोजित की गई। वक्ताओं ने चार लेबर कोड वापस लेने, मोतिहारी में ऑटो एवं ई-रिक्शा स्टैंड, शौचालय, रैन बसेरा, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करने, ड्राइवरों के लिए 10 लाख रुपये का बीमा लागू करने, कैंप लगाकर लाइसेंस बनाने, टोल टैक्स एवं पार्किंग शुल्क के नाम पर अवैध वसूली बंद करने तथा जिले में पड़ाव स्थल के नाम पर रंगदारी समाप्त करने सहित अन्य मांगों पर विस्तार से चर्चा की। इन सभी मांगों को अविलंब पूरा करने की मांग जिला अधिकारी से की गई। कार्यक्रम को शक्ति नाथ तिवारी, अशोक पाठक, संजय गुप्ता, एम.एम. कादरी, विपिन बिहारी दुबे, प्रदीप साहनी सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी की ओर से भेजे गए प्रतिनिधि, कार्यपालक पदाधिकारी को सौंपा गया। अंत में गगनभेदी नारों के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

चंपारण की माटी से उपजी सफलता की प्रेरक कहानी "पुनीता फूड प्रोडक्ट"

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले में महिला उद्यमिता का एक सशक्त उदाहरण पुनीता कुमारी के रूप में उभरकर सामने आया है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME) का लाभ उठाते हुए उन्होंने अपने उद्यम "पुनीता फूड प्रोडक्ट" को नई पहचान दिलाई है और बेकरी उत्पादों के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। दिनांक 12 फरवरी 2026 को जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल ने "पुनीता फूड प्रोडक्ट" इकाई का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण, स्वच्छता मानकों तथा पैकेजिंग व्यवस्था का अवलोकन किया। इकाई में केक, बिस्कुट, ब्रेड, रस्क सहित विभिन्न बेकरी उत्पाद आधुनिक तकनीक एवं मशीनों के माध्यम से तैयार किए जा रहे हैं। पुनीता कुमारी ने बताया कि PMFME योजना के अंतर्गत प्राप्त वित्तीय सहायता एवं तकनीकी मार्गदर्शन से उन्होंने आधुनिक ओवन, मिक्सर मशीन तथा उन्नत पैकेजिंग उपकरण स्थापित किए। इस सहयोग ने उनके व्यवसाय को नई दिशा और गति प्रदान की। आज "पुनीता फूड प्रोडक्ट" के उत्पाद स्थानीय बाजार में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस उद्यम के माध्यम से कई स्थानीय युवाओं, विशेषकर महिलाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार पुनीता कुमारी ने 'जॉब सीकर' से 'जॉब गिवर' बनने की दिशा में प्रेरणादायक कदम बढ़ाया है। उक्त निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना जिले में स्वरोजगार, स्थानीय उत्पादन तथा महिला सशक्तिकरण को प्रभावी रूप से प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने युवाओं एवं महिलाओं से आह्वान किया कि वे भी इस योजना का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें। जिला प्रशासन ने आश्वस्त किया कि सभी उद्यमियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इच्छुक उद्यमी प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र अथवा जिला पदाधिकारी कार्यालय में अपनी समस्याएं एवं सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं, जिनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। यह सफलता केवल एक व्यवसाय की उपलब्धि नहीं, बल्कि परिश्रम, आत्मविश्वास और संकल्प की शक्ति का प्रतीक है। पुनीता कुमारी ने चंपारण की धरती पर महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की नई मिसाल स्थापित की है।

संक्षिप्त समाचार

बस पड़ाव निर्माण हेतु बस स्टैंड चौक पर गलत स्थल चयन के परिवर्तन की उठी मांग

बीएनएम @ सुगौली। स्थानीय बस स्टैंड चौक पर प्रस्तावित बस पड़ाव निर्माण के लिए किये गये स्थल चयन को बदलने की मांग गुरुवार को जन जागरण मंच के सचिव मधुरेन कुमार ने किया है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि सुगौली नगर पंचायत अन्तर्गत बस स्टैण्ड चौक पर सरकारी स्तर से एन० एच० से सटे पश्चिम बस पड़ाव हेतु शेड निर्माण किया जाने वाला है जो यात्री सुविधा के लिए अच्छी पहल है । किंतु कतिपय कारणों से शेड निर्माण हेतु चयनित स्थल सही नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित चयनित स्थल से स्टेशन जाने वाली सड़क का टर्निंग प्वॉइंट महज 20 से 25 फिट की दूरी पर है। जबकि बस की लम्बाई भी लगभग 20 फिट होती है।अगर इस स्थल पर बसे खड़ी होती है तो स्टेशन व हॉस्पिटल रोड की तरफ से आने वाले वाहनों और सवारियों को राष्ट्रीय राजमार्ग होकर सुगौली बाजार तथा रक्सौल की तरफ से आने वाली तेज गति के वाहन दिखाई नहीं देंगे और दुर्घटना होने की प्रबल संभावना रहेगी। एन० एच० से स्टेशन/ हॉस्पिटल रोड का ढ़लान काफी तीखा है जिस कारण स्टेशन से आने वाली सवारियां एन०एच० पर चढ़ने के लिए तेज गति से आती है, ऐसी स्थिति में टर्निंग प्वाइंट पर बस खड़ी होने से छोटे सवारियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। इस टर्निंग प्वाइंट पर हमेशा चार से पांच की संख्या में टेम्पो भी लगा रहता है जिसके कारण जाम की स्थिति भी हो जाती है। इसलिए सम्भावित दुर्घटना एवं जाम की स्थिति को देखते हुए टर्निंग प्वाइंट से कम से कम 100 फिट की दूरी पर बस पड़ाव हेतु शेड निर्माण करना जनहित और सुरक्षित होगा। उन्होंने इस मामले में सभी राजनीतिक दलों के जन प्रतिनिधियों, स्थानीय प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी व नगर पंचायत प्रशासन से बस पड़ाव स्थल चयन पर जनहित में पुनर्विचार करनें की अपील किया है।

पूर्व विधायक ने किया होटल एसएस पैलेस का उद्घाटन

बीएनएम @ गयाजी। गया के मगध मेडिकल रोड स्थित घुटिया में बुधवार को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होटल एसएस पैलेस का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में गुरुआ के पूर्व विधायक विनय यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर होटल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राजद नेता विश्वनाथ प्रसाद यादव, मनोज कुमार और हरदेव यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।पूर्व विधायक विनय यादव ने होटल प्रबंधन को बधाई देते हुए कहा कि गया एक प्रमुख पर्यटन केंद्र है, जहाँ बेहतर आतिथ्य सेवाओं और आधुनिक होटलों की काफी आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह संस्थान स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा देगा। होटल के मालिक सुनील कुमार ने बताया कि यहाँ आरामदायक कमरों और स्वच्छ वातावरण के साथ खान-पान की उत्कृष्ट व्यवस्था उपलब्ध है।

बगहा पुलिस जिला के थानों में शांति समिति की बैठक संपन्न

बीएनएम @ बगहाः आस्था और श्रद्धा के महापर्व महाशिवरात्रि को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु बगहा पुलिस जिला के चौतरवा और धनहा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। चौतरवा में प्रशिक्षु डीएसपी अंकित कुमार और धनहा में थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई इन बैठकों में जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों से सहयोग की अपील की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि महाशिवरात्रि सामाजिक एकता का प्रतीक है, इसलिए सभी लोग आपसी सौहार्द के साथ पर्व मनाएं। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने या शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बीडीओ, अंचलाधिकारी और क्षेत्र के दर्जनों समाजसेवियों ने भाग लिया और पर्व के दौरान प्रशासन का पूर्ण सहयोग करने का संकल्प लिया।

मधुबनी में रसोईयों ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

बीएनएम @ बगहाः बिहार राज्य रसोईया संघ के आह्वान पर गुरुवार को बगहा अनुमंडल अंतर्गत गंडक पार के मधुबनी प्रखंड के सभी रसोईयों द्वारा प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत बीआरसी भवन पर सरकार के खिलाफ एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन किया गया। एवं अपनी मांगों को लेकर बीआरसी में एक ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन के दौरान रसोईया संघ के जिला सचिव जवाहीर यादव ने बताया कि, अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर रसोईया संघ प्रदर्शन कर रहा हैं। उन्होंने अपनी मांगों को बताया कि, सरकार 10 माह के बजाय 12 महीने का मानदेय अभिलंब भुगतान करे। 4 लेवर कोड की अभियान वापस लो। मातृत्व अवकाश, विशेषा अवकाश गेजूयेट अभिलंब लागू करो। सभी रसोईयों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दो एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन लागू करो। सभी स्कीम कर्मचारियों का 26000 मानदेय अभिलंब भुगतान करो। वी जी राम जी कानून वापस लो। आदि मांगो को लेकर रसोईया संघ प्रदर्शन किया है। उक्त मौके पर सभी रसोईया उपस्थित रहे।

कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर राजद का जोरदार प्रदर्शन

बीएनएम @ पटना। बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विपक्षी दलों ने राज्य की कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर सदन के बाहर और भीतर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यवाही शुरू होने से पहले राजद और अन्य विपक्षी दलों के विधायकों ने विधानसभा के मुख्य द्वार पर बैनर-पोस्टरों के साथ नीतीश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विधायकों ने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध और बलात्कार की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, जिससे बेटियां असुरक्षित महसूस कर रही हैं।विपक्ष ने "सरकार जवाब दो" और "कानून-व्यवस्था चौपट" जैसे नारों के साथ प्रशासनिक विफलता को उजागर किया। प्रदर्शन का असर सदन के भीतर भी दिखा, जहाँ विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे और हंगामे के कारण कार्यवाही कुछ समय के लिए बाधित हुई। सत्ता पक्ष ने इन आरोपों को राजनीतिक स्टंट करार देते हुए विपक्ष पर सदन का समय बर्बाद करने का आरोप लगाया। कुल मिलाकर, बजट सत्र में सुरक्षा का मुद्दा एक बड़े राजनीतिक संग्राम का रूप ले चुका है।

अरेराज में अतिक्रमण पर प्रशासन की कार्रवाई, दर्जनों दुकानें हटाई

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज में प्रशासन ने सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए व्यापक अभियान चलाते हुए सड़क किनारे अवैध रूप से कब्जा जमाए दुकानों और ढांचों को हटाया। इस दौरान लगभग तीन दर्जन दुकानों पर बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया गया। यह कार्रवाई मंदिर फुलवारी गेट से मार्कण्डेय चौक और एसबीआई चौक के आसपास के क्षेत्रों में की गई, जहां लंबे समय से सड़क किनारे अवैध दुकानें लगाई जा रही थीं। अरेराज अंचलाधिकारी उदय प्रताप सिंह के नेतृत्व में नगर पंचायत प्रशासन ने जेसीबी मशीनों की सहायता से अभियान चलाया। अभियान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपर थानाध्यक्ष रमेन्द्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन के अनुसार इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य शहर में लगने वाले जाम की समस्या से लोगों और श्रद्धालुओं को राहत दिलाना है। अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण हटने के बाद सड़कों के चौड़े होने से यातायात व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि सड़कों पर दोबारा अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आर्म्स एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, विशेष छापामारी में सफलता

बीएनएम @ मोतिहारी

पिपराकोठी थाना क्षेत्र के ग्राम हथियाही में पुलिस ने विशेष छापामारी कर आर्म्स एक्ट के एक वांछित वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मनीष कुमार उर्फ मनीष कुमार सहनी (पिता-रामाशीष सहनी, निवासी-हथियाही, थाना- पिपराकोठी, जिला-पूर्वी चम्पारण) के रूप में हुई है। उसके विरुद्ध विभिन्न मामलों में वारंट निर्गत था। पुलिस ने विधिवत कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया है तथा अग्रिम कानूनी प्रक्रिया जारी है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध पिपरा थाना कांड संख्या-83/20, 375/20 एवं 34/19 (आर्म्स एक्ट), उत्पाद थाना कांड संख्या-532/24 (उत्पाद अधिनियम) तथा पकड़ीदयाल थाना कांड संख्या-169/20 (लूट कांड) दर्ज है। बताया गया कि अभियुक्त लंबे समय से फरार था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। छापामारी दल में थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार, अपर थानाध्यक्ष मनीष कुमार, पु.अ.नि. धनंजय कुमार तथा चौकीदार पंकज कुमार और राजकुमार चौरसिया शामिल थे।

श्रमिक संगठनों के आह्वान पर मेहसी में अखिल भारतीय आम हड़ताल, शांतिपूर्ण चक्का जाम

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला के मेहसी में गुरुवार को श्रमिक संगठनों के आह्वान पर आयोजित अखिल भारतीय आम हड़ताल के तहत भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) CPIM के बैनर तले एक विशाल जुलूस निकाला गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व पार्टी के राज्य कमिटी सदस्य एवं पिपरा विधानसभा से महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी राजमंगल प्रसाद ने किया। जुलूस पार्टी कार्यालय से प्रारंभ होकर हॉस्पिटल चौक, स्टेशन रोड, बैंक चौक होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग- 27 तक पहुंचा, जहां प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्ण ढंग से घंटों चक्का जाम किया। इस दौरान श्रमिकों ने अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। सभा को संबोधित करते हुए राजमंगल प्रसाद ने कहा कि वर्तमान श्रम कानून मजदूर विरोधी हैं और इससे श्रमिकों के अधिकार कमजोर हो रहे हैं। उन्होंने राज्य एवं केंद्र सरकार पर किसान, मजदूर और छात्र विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है, जिससे युवाओं के सामने रोजगार का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार की आर्थिक एवं श्रम नीतियों पर भी सवाल उठाए। कार्यक्रम में मुकेश कुमार, गरीब नाथ, मोहम्मद जाहिर, अजय कुमार, दिलीप कुशवाहा, धर्मनाथ यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। आयोजकों ने हड़ताल को सफल बताते हुए आगे भी जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने की बात कही।

लंबित मामलों के त्वरित निपटारे को लेकर एसपी की समीक्षा बैठक, उत्कृष्ट अभियोजक सम्मानित

बीएनएम @ बेतिया

लंबित मामलों के त्वरित विचारण को लेकर पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण द्वारा गुरुवार को कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला लोक अभियोजक, सभी विशेष लोक अभियोजक, प्रभारी अभियोजन शाखा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य न्यायालय में लंबित कांडों की प्रगति, उच्च न्यायालय पटना द्वारा मॉनिटरिंग किए जा रहे मामलों तथा न्यायालय से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण प्रकरणों की समीक्षा करना था। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने मामलों के शीघ्र निष्पादन, प्रभावी पैरवी और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन से न केवल न्याय प्रक्रिया सुदृढ़ होती है, बल्कि आमजन का विश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने अभियोजन पक्ष को साक्ष्य संकलन और न्यायालयीन कार्यवाही में सक्रिय भूमिका निभाने पर बल दिया। बैठक के उपरांत उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोक अभियोजकों एवं विशेष लोक अभियोजकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी कर्तव्यनिष्ठा और न्यायिक प्रक्रिया में प्रभावी योगदान के लिए दिया गया।

अरेराज एसडीपीओ रवि कुमार व थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति-पत्र

बीएनएम @ अरेराज

पूर्वी चंपारण जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने और मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर पुलिस प्रशासन की सक्रियता रंग ला रही है। अरेराज अनुमंडल के एसडीपीओ रवि कुमार एवं थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात द्वारा प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। एसडीपीओ रवि कुमार ने जनवरी 2026 के दौरान अनुमंडल क्षेत्र के कई जटिल कांडों का निष्पादन सुनिश्चित करते हुए समय पर आरोप पत्र एवं अंतिम प्रपत्र न्यायालय में समर्पित किया। उनके नेतृत्व में मामलों के त्वरित अनुसंधान और निष्पादन से न्यायिक प्रक्रिया को गति मिली है। वहीं अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने भी पिछले एक माह में दस से अधिक कांडों का सफल निष्पादन करते हुए चार्जशीट एवं अंतिम प्रपत्र समय पर न्यायालय में दाखिल किया। विभागीय जानकारी के अनुसार उनकी कार्यकुशलता और कर्तव्यनिष्ठा से आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है। सम्मान समारोह में एसपी स्वर्ण प्रभात ने दोनों अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से न्याय व्यवस्था मजबूत होती है तथा अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने आशा जताई कि जिले में इसी तरह सक्रियता और समर्पण के साथ कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा।

गौनाहा थाना का एसपी ने किया निरीक्षण, लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश

बीएनएम @ बेतिया

पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण ने गुरुवार को गौनाहा थाना का निरीक्षण कर थाना की व्यवस्थाओं और लंबित मामलों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मालखाना, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, वायरलेस शाखा, थाना परिसर एवं आवासीय बैरक का अवलोकन किया गया। साथ ही अपराध निर्देशिका (पार्ट-1, पार्ट-2, पार्ट-3), डकैती पंजी, लूट पंजी, गुंडा पंजी सहित अन्य अभिलेखों में दर्ज प्रविष्टियों की जांच की गई। पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से हत्या, लूट और डकैती से संबंधित लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई कर वारंट और कुर्की प्राप्त करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा मामलों का शीघ्र निष्पादन किया जाए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अंचल निरीक्षक, शिकारपुर अंचल, गौनाहा थानाध्यक्ष तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे।

रामगढ़वा थाना के सब-इंस्पेक्टर अजीत कुमार सिंह प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित

बीएनएम @ रामगढ़वा

पूर्वी चम्पारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बेहतर कार्य प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए रामगढ़वा थाना के सब-इंस्पेक्टर अजीत कुमार सिंह को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया है। जानकारी के अनुसार अजीत कुमार सिंह ने जनवरी 2026 के दौरान कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए दस से अधिक लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन किया तथा समय पर आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित किए। पुलिस विभाग ने इसे प्रभावी अनुसंधान और जिम्मेदार पुलिसिंग का उदाहरण बताया है। सम्मान प्रदान करते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशैली से पुलिस के प्रति आम जनता का विश्वास मजबूत होता है और अन्य पुलिसकर्मियों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। इस उपलब्धि पर रामगढ़वा थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह सहित थाना के पुलिसकर्मियों ने खुशी जताई।

निजी वाहनों से हटेंगे प्रेशर हॉर्न और अवैध लाल-पीली बत्तीः परिवहन मंत्री

बीएनएम @ पटना

बिहार सरकार ने राज्य में गहराती वीआईपी संस्कृति और प्रशासनिक नियमों के दुरुपयोग पर कड़ा प्रहार किया है। विधान परिषद में परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट घोषणा की है कि अब कोई भी सरकारी अधिकारी अपने निजी वाहन का उपयोग सरकारी या व्यावसायिक कार्यों के लिए नहीं कर सकेगा। यह निर्णय प्रशासनिक पारदर्शिता और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है, क्योंकि लंबे समय से निजी गाड़ियों पर विशेष सुविधाओं के अवैध उपयोग की शिकायतें मिल रही थीं।सख्ती केवल वाहनों के उपयोग तक सीमित नहीं है; सरकार ने निजी गाड़ियों में प्रेशर हॉर्न और बिना अनुमति लाल या पीली बत्ती लगाने पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। मंत्री के अनुसार, प्रेशर हॉर्न न केवल नियमों का उल्लंघन हैं बल्कि ध्वनि प्रदूषण का भी बड़ा कारण हैं। इन अवैध उपकरणों को जब्त करने और उल्लंघनकर्ताओं पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सरकार का यह कदम आम नागरिकों को होने वाली असुविधा को कम करने और सड़कों पर वीआईपी कल्चर के दिखावे को समाप्त करने की दिशा में एक प्रभावी पहल माना जा रहा है।

बुजुर्ग की गला रेतकर दिनदहाड़े हत्या

» पटना में कानून-व्यवस्था तार-तार,फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी तेज

बीएनएम @ पटना

पटना की सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए अपराधियों ने एक बार फिर राजधानी को दहला दिया है। पटना सिटी के चौक थाना क्षेत्र स्थित बंगाली कॉलोनी में दिनदहाड़े 60 वर्षीय बुजुर्ग की धारदार हथियार से गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस दुस्साहसिक वारदात ने स्थानीय पुलिस के इकबाल और इलाके की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।वारदात की सूचना मिलते ही चौक थाना पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में पुलिस पुरानी रंजिश या पारिवारिक विवाद को हत्या की मुख्य वजह मानकर चल रही है, हालांकि अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। अपराधियों की पहचान के लिए पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। घनी आबादी वाले क्षेत्र में दिन के उजाले में हुई इस हत्या से बंगाली कॉलोनी में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग पुलिस की सुस्त गश्ती को लेकर आक्रोशित हैं। फिलहाल पुलिस की टीम फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सक्रिय है।

पीयूष गोयल की टिप्पणी

यह कहना काफी नहीं है कि व्यापार समझौते पर बातचीत अभी चल रही है और उसे लिखा नहीं गया है। जब ऐसा होगा, तब पूरी जानकारी दी जाएगी। दरअसल, पीयूष गोयल की इस टिप्पणी ने अनिश्चय और बढ़ा दिया है। भारत- अमेरिका ट्रेड डील के बारे में डॉनल्ड ट्रंप की घोषणा से बने अनिश्चय के बीच वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आनन-फानन में प्रेस कांफ्रेंस कर किसान एवं अन्य समूहों को आश्वस्त करने की कोशिश की। कहा कि कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को सुरक्षित रखा जाएगा। मगर इससे आशंकाएं दूर नहीं हुईं, तो उसकी वजह वॉशिंगटन से आ रहे बयान हैं। अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक रोलिंग्स और व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर ने बेलाग कहा है कि ट्रेड डील में कृषि शामिल है। यह भी कहा है कि अमेरिका के कृषि एवं औद्योगिक उत्पादों पर भारत शून्य आयात शुल्क लगाएगा। उधर ह्वाइट हाउस की प्रवक्ता केरोलीन लेविट कहा है कि भारत ना सिर्फ रूस से तेल खरीदना बंद करेगा, बल्कि अमेरिका और संभवतः वेनेजुएला से भी अधिक मात्रा में तेल खरीदेगा। ये वही बातें हैं, जिनका उल्लेख राष्ट्रपति ट्रंप ने किया था। इसलिए इन मुद्दों पर दो-टूक बयान की जरूरत है। यह कहना पर्याप्त नहीं है कि व्यापार समझौते के कई पहलुओं पर बातचीत चल रही है और उसे अभी लिखा नहीं गया है। जब ऐसा होगा, तब पूरी जानकारी दी जाएगी। दरअसल, गोयल की इस टिप्पणी ने प्रकरण पर और भी धुंध डाल दी है। क्या बिना डील संपन्न हुए ट्रंप ने एलान कर दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसके लिए उन्हें धन्यवाद दे दिया? ऐसा हुआ, तो उससे दोनों देशों के सर्वोच्च नेतृत्व की छवि और भी खराब होगी। फिर क्या भारत ऐसा आश्वासन लेने में सफल रहा है कि ट्रंप आगे चल कर ब्रिक्स+ की भारत की सदस्यता और ईरान जैसे देशों से व्यापारिक संबंध रखने को मुद्दा नहीं बनाएंगे? हाल में दक्षिण कोरिया से डील होने के बावजूद ट्रंप ने यह कर उस पर 25 फीसदी नया टैरिफ लगा दिया कि वह समझौते पर ठीक से अमल नहीं कर रहा है। ट्रंप के व्यवहार में ऐसी अस्थिरताएं भरी-पड़ी हैं। भारत सरकार का कर्त्तव्य इन तमाम पहलुओं का आकलन करते हुए आगे बढ़ना और देशवासियों को इस संबंध में अवगत रखना होना चाहिए। मगर फिलहाल आधी-अधूरी जानकारियों के आधार पर जश्न का माहौल बनाने की कोशिश होती हम देख रहे हैं।

कायम है आवाज की दुनिया का जादू

प्रयाग पाण्डे

आज विश्व रेडियो दिवस है। आज से करीब एक सौ बीस साल पहले रेडियो का आविष्कार हुआ था। रेडियो के आविष्कार ने वैश्विक संचार में अभूतपूर्व क्रांति ला दी थी। भारत में आवाज की इस अनोखी दुनिया को एक सौ तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। पिछली करीब एक सदी की शानदार यात्रा में रेडियो, भारत के जन-जन के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। नई संचार तकनीकी के अभ्युदय से पहले रेडियो ने भरोसेमंद जनसंचार के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। एक स्थान से दूसरे स्थान तक बे-तार आवाज पहुँचाने और इस क्रम में रेडियो जैसे बोलते उपकरण के आविष्कार की कहानी बेहद दिलचस्प है। तरंगों के द्वारा आवाज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक संप्रेषित करने वाले रेडियो नाम के उपकरण को मूर्त रूप लेने में करीब चार दशक लगे। इस कालखंड में अनेक भौतिकविदों एवं अभियंताओं ने रेडियो के क्रमिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साल 1864 में एक अंग्रेज गणितीय भौतिकविद जेम्स क्लार्क मैक्सवेल ने पहली बार रेडियो तरंगों के अस्तित्व की भविष्यवाणी की थी। साल 1888 में एक जर्मन भौतिकविद हेनरिश हर्ट्ज ने रेडियो तरंगों के अस्तित्व को तो स्वीकारा लेकिन उन्होंने रेडियो तरंगों का दूरसंचार में उपयोग की संभावनाओं को नकार दिया था। इसी दरम्यान एक अंग्रेज भौतिकविद रदरफोर्ड ने तीन चौथाई मील दूरी तक रेडियो संकेत भेजकर हर्ट्ज की अवधारणा को गलत सिद्ध कर दिया। 12 दिसंबर, 1881 में इटली के विद्युत अभियंता मारकोनी ने एक स्थान से भेजी गई आवाज को सुनने और पुनः अपनी आवाज दूसरे स्थान पहुँचाने में सफलता प्राप्त कर ली, लेकिन तब रेडियो का वर्तमान स्वरूप अस्तित्व में नहीं आ पाया था। साल 1904 में विद्युत अभियंता जॉन एम्ब्रोज फ्लेमिंग और साल 1906 में अमेरिका के डी. फारेस्टर ने रेडियो के आविष्कार को आगे बढ़ाया। प्रारंभिक चरण में रेडियो का सबसे अधिक उपयोग समुद्री जहाजों द्वारा किया गया। समुद्री जहाज खतरे या दुर्घटना की स्थिति में एक-दूसरे जहाज या तट से सहायता प्राप्त करने के लिए रेडियो का उपयोग करते थे। 25 दिसंबर, 1906 की रात को अचानक जहाजियों ने तारयंत्र से पहले एक पुरुष की आवाज सुनी फिर उन्हें एक महिला का गीत और वायलिन की धुन सुनाई दी, इसी के साथ रेडियो को अपना अस्तित्व मिल गया। शुरुआती दौर में इंग्लैंड में रेडियो को वायरलेस कहा जाता था। अमेरिका में इसे रेडियो टेलीग्राफ कहते थे। बाद में अमेरिकी लोगों ने इसमें से टेलीग्राफ शब्द को छोड़ कर सिर्फ रेडियो कहना शुरू कर दिया।साल 1920 में वेस्टिंग हाउस कंपनी के एक इंजीनियर ने अमेरिकी सरकार से रेडियो प्रसारण का लाइसेंस प्राप्त कर पिट्सबर्ग में दुनिया का पहला रेडियो प्रसारण केंद्र स्थापित किया। डॉ. फ्रैंक कॉनराड ने रेडियो में सांध्य कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रारंभ की। 23 फरवरी, 1920 को मारकोनी कंपनी ने चेम्सफोर्ड से रेडियो प्रसारण शुरू किया था। नवंबर, 1922 में जॉन रीथ के निर्देशन में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कंपनी की स्थापना हुई। इसके साथ ही इंग्लैंड में रेडियो का नियमित प्रसारण शुरू हो गया। साल 1923 में रेडियो क्लब, मुंबई ने भारत में रेडियो का पहला प्रसारण शुरू किया। इसी वर्ष कोलकाता समेत अन्य महानगरों में भी रेडियो प्रसारण शुरू हुए। इसके बाद भारत में इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का गठन हुआ। कंपनी ने भारत सरकार से रेडियो प्रसारण का अनुज्ञा-पत्र प्राप्त कर 23 जुलाई, 1927 को मुंबई से रेडियो प्रसारण प्रारंभ कर दिया। इस प्रसारण केंद्र का उद्घाटन भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने किया था। साल 1936 में दिल्ली में रेडियो के केंद्रीय स्टेशन की स्थापना हुई। इसी वर्ष इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन वजूद में आई। साल 1936 में इसका नाम ऑल इंडिया रेडियो कर दिया गया था। साल 1957 में आकाशवाणी किया गया। रेडियो एक सशक्त श्रव्य माध्यम है। ध्वनि की अजूबी दुनिया है। वेदों के अनुसार सृष्टि की रचना का आधार ध्वनि को माना जाता है। कहा गया है कि ध्वनि से सृष्टि की रचना हुई। ध्वनि से ब्रह्मांड का विस्तार होता है। ध्वनि से ही वाणी उत्पन्न हुई। वाणी को मन का यथार्थ चित्र माना गया है। रेडियो की दुनिया, आवाज की दुनिया है। इसका अद्भुत और आकर्षक संसार है। अपना सम्मोहन है। रेडियो की आवाज की सम्मोहक दुनिया श्रोताओं को पलक झपकते संपूर्ण ब्रह्मांड का विचरण करा देती है। रेडियो की इसी विशेषता ने रेडियो के 'दीवानों' की लंबी परंपरा कायम की है। तत्काल और तत्क्षण संदेश प्रसारित करने की अद्भुत विशेषता की वजह से द्वितीय विश्वयुद्ध में प्रसार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रेडियो का तीव्र गति से विस्तार हुआ। शुरुआती दिनों में हेडफोन लगाकर रेडियो सुना जाता था। कालांतर में बड़े रेडियो आए, जिन्हें सामूहिक रूप से सुना जाता था। साल 1947 में राकले, ब्राटेन और बार्डिन नाम के तीन अमेरिकी वैज्ञानिकों ने ट्रांजिस्टर का आविष्कार किया। ट्रांजिस्टर के आविष्कार से रेडियो की दुनिया में क्रांति आ गई। रेडियो सुनना सामूहिक से निजी हो गया। तब जहाँ सड़क, बिजली और यातायात के साधन नहीं थे, उन दूरस्थ क्षेत्रों में भी ट्रांजिस्टर पहुँच गया। पहुँच, निरंतरता, सुलभता और सस्ती तकनीक के कारण रेडियो सूचना, शिक्षा और मनोरंजन का लोकप्रिय जनसंचार माध्यम बन गया। रेडियो सर्वसुलभ एवं सस्ता जनसंचार माध्यम है। साक्षर और निरक्षर सभी के लिए उपयोगी है। नेत्रहीनों के लिए वरदान है। रेडियो का लचीलापन और पहुँच बेजोड़ है। रेडियो को जहाँ जी चाहे ले जा सकते हैं, सुन सकते हैं। कोई भी काम करते समय इसे सुना जा सकता है। रेडियो के लिए भौगोलिक सीमाएं कोई बाधा उत्पन्न नहीं करती हैं। दूरदराज के क्षेत्रों और गाँवों में, जहाँ जनसंचार के अन्य माध्यमों की पहुँच नहीं है, वहाँ के लिए रेडियो ज्ञान का प्रवेश द्वार है। रेडियो दृश्यहीन माध्यम है। रेडियो की दुनिया का सारा दारोमदार ध्वनि और आवाज पर निर्भर है। श्रव्य माध्यम होने के कारण इसकी कुछ सीमाएं हैं। बावजूद इसके रेडियो की अपनी कुछ अनूठी विशेषताएं हैं। रेडियो 'वर्तमान' और 'जीवंत' होने का बोध कराता है। रेडियो श्रोताओं की कल्पनाशक्ति को जागृत करता है। श्रोताओं की कल्पनाशक्ति और विचारशक्ति को उन्मुक्त उड़ान भरने का अवसर प्रदान करता है, इसके उलट दृश्य माध्यम दर्शकों की विचारशक्ति को कुंठित करते हैं और उनकी मौलिक सोच को प्रभावित करते हैं। साल 1990 के दशक में इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में आई क्रांति ने संचार क्रांति को जन्म दिया है। उपग्रहों और अनेक प्रकार के अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से जनसंचार माध्यमों की शक्ति और विस्तार को अकल्पनीय ऊँचाइयों तक पहुँचा दिया है। नित नए आविष्कारों ने टीवी, मोबाइल समेत रोजमर्रा के जीवन में उपयोग में आने वाले अनेक उपकरणों को 'स्मार्ट' बना दिया है। संपूर्ण ब्रह्मांड की समस्त जानकारियां एक छोटे-से मोबाइल में समा गई हैं। संचार क्रांति के मौजूदा दौर में भी रेडियो की प्रासंगिकता बनी हुई है। कम्युनिटी रेडियो आ गए हैं। सैकड़ों खबरिया चैनलों के आ जाने के बावजूद रेडियो सूचना, शिक्षा और मनोरंजन का लोकप्रिय माध्यम है। रेडियो का विशाल श्रोता वर्ग है। दूसरे इलेक्ट्रॉनिक समाचार माध्यमों के बनिस्बत रेडियो में प्रसारित समाचारों की विश्वनीयता आज भी असंदिग्ध मानी जाती है। पहले 'कानों सुनी' के मुकाबले 'आँखों देखी' पर ज्यादा भरोसा किया जाता था लेकिन मौजूदा दौर के खबरिया चैनलों ने इस भ्रम को तोड़ दिया है।

वन्दे मातरम्: राष्ट्र चेतना का सनातन गीत और आधुनिक भारत का पुनर्जागरण

कैलाश चंद

"वन्दे मातरम्" ये दो शब्द सिर्फ एक नारा नहीं, भारत की आत्मा का गूढ़ और दिव्य उद्गार हैं। यह केवल एक गीत नहीं बल्कि भारतीय राष्ट्रवाद की आध्यात्मिक जड़ है, जो भूमि, संस्कृति, शक्ति और ज्ञान इन चारों को मातृभाव में एक सूत्र में पिरोता है। जब कोई भारतीय "वन्दे मातरम्" कहता है तो वह केवल मातृभूमि को प्रणाम नहीं करता बल्कि उस चेतना, परंपरा और जीवन दर्शन को नमन करता है जिसने इस देश को हजारों वर्षों से जीवित और गतिशील बनाए रखा है। आज, जब इस गीत की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत सरकार के 2026 के नए दिशा-निर्देश और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रीय अपील सामने आई है, तब यह गीत एक बार फिर राष्ट्रीय चेतना के केंद्र में स्थापित होता दिखाई दे रहा है। भारतीय सभ्यता में भूमि को केवल भौगोलिक सीमा या प्राकृतिक संसाधनों का समूह नहीं माना गया है। यहां धरती को "माता" कहा गया है, एक ऐसी माता जो जीवन देती है, पोषण करती है और संस्कार प्रदान करती है। अथर्ववेद का प्रसिद्ध वाक्य "माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः" भारतीय चिंतन की इसी भावना को प्रकट करता है। यह वाक्य बताता है कि मनुष्य और भूमि का संबंध केवल उपयोग का नहीं बल्कि आत्मीयता और मातृत्व का है। यही वैदिक आधार "वन्दे मातरम्" की आत्मा में समाहित है। जब बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने "वन्दे मातरम्" की रचना की, तब उन्होंने केवल एक राजनीतिक नारा नहीं दिया। उन्होंने भारत की प्राचीन आत्मा को आधुनिक युग में पुनर्जीवित करने का प्रयास किया। उनके लिए भारत केवल एक देश नहीं था बल्कि एक जीवित मातृशक्ति थी, जो लक्ष्मी के रूप में समृद्धि देती है, सरस्वती के रूप में ज्ञान प्रदान करती है और दुर्गा के रूप में शक्ति का संचार करती है। इसीलिए इस गीत की हर पंक्ति में प्रकृति, शक्ति, ज्ञान और मातृत्व का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। सन् 1875 का वह काल भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। ब्रिटिश शासन का दमन, सांस्कृतिक अपमान और आत्मगौरव का संकट समाज में गहराई तक समा चुका था। भारतीयों के भीतर अपनी पहचान और आत्मसम्मान को बचाने की तीव्र आकांक्षा जन्म ले रही थी। इसी समय बंकिमचन्द्र ने "वन्दे मातरम्" की रचना की। यह गीत केवल शब्दों का समूह नहीं था बल्कि एक जागरण का मंत्र बनकर उभरा। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में जब रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसे स्वर दिया, तब यह गीत पूरे देश में फैल गया और एक राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बन गया। धीरे-धीरे यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण मंत्र बन गया। साल 1905 के बंग भंग आंदोलन के समय "वन्दे मातरम्" हर गली, हर सभा और हर आंदोलन की धड़कन बन गया। विद्यार्थी जुलूसों में यह गूंजता था, महिलाओं की सभाओं में यह प्रेरणा देता था, क्रांतिकारियों के शपथ पत्रों में यह आत्मबल जगाता था और राष्ट्रीय आंदोलनों में यह एकजुटता का स्वर बन जाता था। यह केवल गीत नहीं रहा, यह आत्मगौरव और स्वतंत्रता की आकांक्षा का घोष बन गया। श्री अरविन्द ने इसे राष्ट्र आत्मा का मंत्र कहा। लाला लाजपत राय, सुब्रमण्य भारती, लाला हरदयाल और भीकाजी कामा जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी पत्रिकाओं और पत्रों के शीर्षक में "वन्दे मातरम्" को स्थान दिया। महात्मा गांधी भी अपने कई पत्रों का समापन इसी मंत्र के साथ करते थे। ब्रिटिश सरकार ने इस गीत के प्रभाव को समझा और इसे रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए, लोगों को गिरफ्तार किया लेकिन जितना दमन हुआ, उतनी ही इसकी शक्ति और बढ़ती गई। यह जनता के हृदय में बस चुका था और वहां से इसे कोई नहीं हटा सकता था। समय के साथ यह गीत केवल स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृति बनकर नहीं रह गया बल्कि भारतीय पहचान का स्थायी प्रतीक बन गया। 30 से 31 अक्टूबर तथा 1 नवम्बर 2025 को जबलपुर में आयोजित अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इसे राष्ट्र चेतना का मूल स्वरबद्ध गीत बताया। उन्होंने कहा कि "वन्दे मातरम् एक दिव्य गीत है, जो राष्ट्र चेतना को जागृत करता है और समाज को जोड़ने वाली अद्भुत डोर है।" उनके अनुसार यह गीत सभी प्रांतों, भाषाओं और समुदायों के बीच समान रूप से स्वीकार्य है और यह सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रीय एकता और आत्मस्वत्व का आधार है। संघ ने समाज से आह्वान किया कि इस 150 वर्ष के पावन काल में "वन्दे मातरम्" की ज्योति हर हृदय में प्रज्ज्वलित हो और इसी भाव से राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया जाए। इसी संदर्भ में 10 फरवरी 2026 को भारत सरकार द्वारा घोषित नए दिशा-निर्देश भी महत्वपूर्ण हैं। इन निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय आयोजनों में राष्ट्रगान से पहले "वन्दे मातरम्" के सभी छह अंतरों का गायन किया जाएगा, जिसकी अवधि लगभग तीन मिनट दस सेकंड होगी। राष्ट्रपति के आगमन और प्रस्थान, राष्ट्रीय ध्वज समारोह, पद्म पुरस्कार और अन्य सरकारी कार्यक्रमों में इसे गाना अनिवार्य किया गया है। विद्यालयों में भी प्रार्थना की शुरुआत "वन्दे मातरम्" से करने का सुझाव दिया गया है। हालांकि इस संबंध में किसी प्रकार की कानूनी सजा का प्रावधान नहीं रखा गया है। यह एक दंडात्मक आदेश नहीं बल्कि सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का प्रयास है, एक ऐसा प्रयास जो समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने की दिशा में है। आज के समय में "वन्दे मातरम्" अक्सर केवल दो शब्दों तक सीमित होकर रह जाता है। लोग इसे एक नारे के रूप में बोलते हैं किंतु इसकी वास्तविक महत्ता पूरे गीत में निहित है। ये दो शब्द भावना जगाते हैं, लेकिन पूरा गीत चेतना जगाता है। इसकी संपूर्ण रचना में राष्ट्र चेतना को आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करने की क्षमता है। इसमें प्रकृति का सौंदर्य है, संस्कृति का गौरव है, ज्ञान का प्रकाश है और शक्ति का तेज है। ये चारों तत्व मिलकर इसे केवल एक गीत नहीं बल्कि जीवन दर्शन बना देते हैं। "वन्दे मातरम्" हमें यह सिखाता है कि राष्ट्र केवल राजनीतिक इकाई नहीं होता, यह एक जीवित सांस्कृतिक सत्ता होता है। इसकी सेवा कर्तव्य से बढ़कर है, यह तप और साधना है। मातृभूमि सिर्फ भूमि का टुकड़ा नहीं, वह हमारी चेतना, पहचान और अस्तित्व का आधार है। जब हम "वन्दे मातरम्" कहते हैं तो हम उस परंपरा को नमन करते हैं जिसने हमें जन्म दिया, पाला और संस्कारित किया। इस आधार पर आप यह अवश्य अनुभूत करें कि 150 वर्षों के बाद भी यह गीत भारत के भविष्य का मार्गदर्शक है। यह हमें अपने भीतर झांकने, अपनी जड़ों को पहचानने और अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को फिर से जागृत करने का आह्वान करता है। आज जब इसका पूर्ण स्वरूप सम्मानित किया जा रहा है, तब अवश्य ही यह केवल इतिहास का सम्मान नहीं है, यह तो भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का संकेत है। वास्तव में "वन्दे मातरम्" भारत की मूल चिति का शाश्वत लयबद्ध संगीत है। यह उस भाव का प्रतीक है जिसमें विविधता के बीच एकता का दर्शन होता है। यह हमें बताता है कि भारत एक राष्ट्र के साथ ही एक परिवार है, एक ऐसी माता का परिवार जो अपने सभी संतानों को प्रेम, शक्ति, ज्ञान और संस्कार प्रदान करती है। यही भावना इस गीत को अमर बनाती है और यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही चल रही है, तो निश्चित सफलता मिलेगी। आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आपको सशक्त महसूस करेंगे। आज कहीं भी यात्रा करने से पहले जरूरत का सामान लेना न भूले। आज आप अपने व्यक्तिगत मामलों पर ध्यान देंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। आज ऑनलाइन शॉपिंग और मस्ती वाली गतिविधियों में समय बीतेगा। आज आपको किसी रिश्तेदार के घर से बुलावा आएगा। आज अन्य गतिविधियों में व्यस्तता की वजह से आपका खुद का महत्वपूर्ण काम अधूरा रह सकता है।

मिथुन राशि : आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज परिवार संबंधी किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह-मशवरा होगा और इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे। आज मनोरंजन संबंधी गतिविधियों में समय बीतेगा। आज व्यावसायिक व्यवस्था को बनाए रखने में आपका योगदान जरूरी है। आज बाहरी व्यक्ति आपके कार्यक्षेत्र की व्यवस्था में कुछ समस्याएं लाने की कोशिश कर सकता है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आपको बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है। आज अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और अपने काम के प्रति एकाग्र चित्त होना आपको सफलता देगा। आज अपने व्यस्त समय से कुछ समय धार्मिक व आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए जरूर निकालें, इससे आपकी मानसिक शांति बनी रहेगी।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेगी। आज खर्चों की अधिकता रहेगी, लेकिन साथ ही आय के साधन बढ़ने से परेशानी नहीं होगी। आज बच्चों का रिजल्ट देखकर मन में तसल्ली रहेगी।

कन्या राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज पारिवारिक रिश्ते में अपनापन महसूस होगा। किसी कारण से पिताजी आपको नई जिम्मेदारी दे सकते हैं जिसे आप पूरी तरह निभाएंगे। जमीन जायदाद से जुड़े महत्वपूर्ण काम भी पूरे हो सकते हैं।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में अभी और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस मे सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। लवमेट के रिश्ते में सुधार आयेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे, इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जायेगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनायेंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। कार्यस्थल पर आपका काम बेहतर रहेगा। आपको किसी काम में मदद की जरूरत रहेगी, इस मामले में अच्छे दोस्त से सलाह मिल सकती है। पॉजिटिव नजरिए से जरूरी काम पूरे हो सकते हैं। कामकाज निपटाने के नए तरीके भी आपको मिल सकते हैं।

मकर राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग आपकी सहायता करेंगे। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा।

कुंभ राशि : आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे, साथ ही आज किसी महत्वपूर्ण या राजनीतिज्ञ से मुलाकात फायदेमंद होगी। आज कारोबार में आपको फायदा होगा। इस राशि के ट्रेडिंग और बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन विशेष फलदायी है।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप बिजनेस में लाभ लेने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। साथ ही आज आपको किसी से उलझने से बचना चाहिए। आज आपको अपनी काबिलीयत दिखाने का मौका मिलेगा। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

महाकाल देवता ही नहीं वैज्ञानिक तथ्य भी

राजशेखर व्यास

भारतीय कथा-साहित्य में उज्जैन का राजा विक्रमादित्य बड़ा लोकप्रिय रहा है। उसके प्रसंग को लेकर हजारों कहानियाँ देश की विविध भाषाओं में प्रचलित हैं। उसके नवरत्नों की कथा भी सर्वविदित है, परंतु आश्चर्य की बात है कि ऐसे लोक प्रसिद्ध राजा के विषय में कथा-कहानियों के अतिरिक्त कोई जानकारी नहीं मिल पायी है। विदेशी इतिहासकार उसे केवल कल्पित राजा मानते हैं। भारतीय इतिहासकारों के मन में अवश्य उसे ऐतिहासिक महापुरुष मानने का मोह बना हुआ है। उन्होंने इसकी वास्तविकता को सिद्ध करने के लिए अनेक प्रकार के अन्वेषण अनुसंधान भी किए, फिर भी निश्चित रूप से उसके अस्तित्व को सिद्ध नहीं कर पाए हैं। विक्रम की नगरी उज्जैन में महाकाल का सुप्रसिद्ध मन्दिर है। देश के अन्य किसी भाग में महाकाल का कोई मंदिर नहीं है। अतः निश्चय ही यह प्रश्न उपस्थित होता है कि यह 'महाकाल' कौन देवता हैं, जिसका केवल देशभर में एक मंदिर है। सामान्यतया 'महाकाल' शिव का पर्याय मान लिया गया है और उज्जैन के 'महाकाल' के मंदिर को शिव का मंदिर माना जाता है। परंतु प्रश्न यह है कि शिव के अन्य मंदिर 'महाकाल' के मंदिर क्यों नहीं कहलाते? हमारे विचार से विक्रमादित्य, उज्जयिनी, नव-रत्न और महाकाल इन चारों शब्दों के निर्वचन से इसके वास्तविक अर्थ पर कुछ प्रकाश पड़ सकता है और सुप्रसिद्ध कथा की गुत्थी सुलझ सकती है। भारतीय ज्योतिष विद्वान यह जानते हैं कि उज्जैन का सूर्योदय काल देशभर के पंचांगों के लिए प्रामाणिक उदयकाल माना जाता रहा है। भारतीय ज्योतिषियों के अनुसार दक्षिण में लंका, भारत के मध्य में उज्जैन और (संभवतः वर्तमान) रोहतक नगरों के मध्य से जाने वाली देशांतर रेखा का सूर्योदय काल प्रामाणिक सूर्योदय काल हैं, परिवर्तित ज्योतिष ग्रंथों में उसका नाम 'लंकोदय' काल रहा है। लंकोदय की देशांतर रेखा से पूर्व में तथा पिश्चम में स्थित स्थानों के सूर्योदय का काल ज्ञात करने की विधियाँ निर्धारित की हुई हैं। इस प्रकार उज्जयिनी का सूर्योदय काल देशभर के लिए प्रामाणिक सूर्योदय काल था और आधुनिक भाषा में उसे भारत का 'स्टैण्डर्ड टाइम' कहा जा सकता है। ईसा पूर्व के ज्योतिषी संभवतया इसी को महाकाल कहते थे। विविध शास्त्रीय तथ्यों को देव रूप में स्वीकार करने की हमारे यहां परम्परा रही है। इसी परम्परा के अंतर्गत महाकाल (स्टैण्डर्ड टाइम) को देव रूप में दिया गया और उसके मंदिर की स्थापना उज्जयिनी में की गयी। उज्जयिनी को क्यों चुना गया, यह भी एक ज्वलंत प्रश्न है। जब एक ही देशांतर रेखा देश के इतने लंबे-चौड़े भाग से निकलती है, तो उज्जैन ही को क्यों महत्त्व दिया जाए, उत्तर यह है कि उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है, जहां तक उत्तरायण सूर्य आता है और पुनः लौटकर मकर रेखा तक दक्षिणगामी होता है। कर्क रेखा पर स्थित होने के कारण भारतीय ज्योतिर्विदों ने उज्जयिनी को महाकाल की नगरी माना। विक्रमादित्य शब्द में दो खंड हैं विक्रम-आदित्य। आजकल विक्रम का अर्थ सामान्यतया 'पराक्रम' समझा जाता है ओर आदित्य का 'सूर्य'। इस प्रकार विक्रमादित्य का अर्थ शक्ति का सूर्य किया जाता है। परंतु विक्रम शब्द में क्रम धातु है, जिसका अर्थ है चलना। इसी से बना हुआ दूसरा शब्द 'संक्रम' है, जो सूर्य की गति के विषय में सर्वविदित है। सूर्य का संक्रम, संक्रमण और संस्कृति आधुनिक ज्योतिषियों के लिए अपरिचित शब्द नहीं है। उज्जैन की व्युत्पत्ति इस समय उज्जयिनी में मानी जाती है। उज्जैन के प्राकृत नाम 'उज्जैणी' या 'उज्जैन नगरी' थे, जो स्पष्टतः संस्कृत 'उदयिनी' एवं 'उदयन नगरी' से व्युत्पन्न प्रतीत होते हैं। पुनः संस्कृतिकरण की यह प्रक्रिया 'कथा कथा सरित्सागर' आदि में बहुत अधिक पायी जाती है। उज्जैन वास्तव में विक्रमादित्य के उदय की नगरी थी। भारतीय कथा साहित्य का सुप्रसिद्ध उदयन भी सूर्य का ही अन्य नाम है, जिसका विवेचन आगे किया जायेगा। इस प्रकार विक्रमादित्य महाकाल तथा उज्जयिनी की व्युत्पत्ति पर विचार करने से यही ज्ञात होता है कि विक्रमादित्य नाम का वास्तविक राजा नहीं था। वह दक्षिणगामी सूर्य का ही कल्पित नाम है और उसे राजा का स्वरूप दे दिया गया है। उसे राजा मानने पर उसकी राजधानी उयिनी अथवा उजैणी (बाद में उज्जयिनी) कल्पित की गयी और उसी नगरी का समय संपूर्ण देश के लिए प्रमाणिक समय होने के कारण 'महाकाल' कहलाया। इतने विवेचन के बाद नवरत्नों की कल्पना भी स्पष्ट हो जाती है जो निःसंदेह नव ग्रह हैं। एक नियत स्थान तक आगे बढ़कर वापस मूल स्थान तक पहुंचना सिंह विक्रांत कहलाता है। सिंह का स्वभाव शिकार करने के लिए कुछ दूर तक वन में आगे बढ़कर पुनः लौटने की क्रिया के लिये 'सिंह विक्रांत' या 'सिंह विक्रमण' शब्द प्रसिद्ध हुआ। कर्क राशि तक उत्तर दिशा में चलकर पुनः दक्षिण की ओर विक्रमण करने वाला सूर्य 'सिंह विक्रमी' हुआ। यही 'सिंह' राशि व्युत्पत्ति है। सूर्य 31 दिन तक कर्क राशि पर रहकर 32 वें दिन सिंह राशि पर पहुंचता है। यही सिंहासन बत्तीसी का रहस्य है। सूर्य सिंह राशि का स्वामी माना जाता है। कर्क तक आगे बढ़कर वह वापस लौटता है और अपने घर की राशि तक आकर वहां आसीन होता है। सूर्य की उत्तर दक्षिण यात्राएं नीचे स्पष्ट की जा रही हैं:- सिंह के बाद सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है (संभवतः प्राचीन भारतीय राशि विभाजन खगोल का नहीं भूमंडल का था। भूमि के जिस भाग पर सूर्य राशियाँ सीधी पड़ती थीं, वही राशि विशेष खंड का था। 'राशि' शुद्ध संभवतः 'रश्मि' के प्राकृत रूप 'रस्सियां', 'रश्शि' का पुनः संस्कृत रूप है। सतरंगी किरणों के कारण 'सप्ताश्व' सूर्य का रूपक भी इस 'रश्मि' शब्द से स्पष्ट होता है।) उत्तर भारत के ईसा पूर्व कालीन आर्यों की दृष्टि से वह प्रदेश कुमारी कन्याओं का प्रदेश था। भारत का यह दक्षिण भू-भाग (अर्थात 16 अक्षांश से 8 अक्षांश का भू-भाग) कुमारी कन्याओं का प्रदेश माना जाता था। उस प्रदेश पर सीधी किरणें फेंकने वाला सूर्य कन्यार्क कहलाता था। कन्याओं के उस देश की स्मृति के रूप में आज भी कुमारी अन्नीप का दर्शनीय कन्याकुमारी का मन्दिर जगत् प्रसिद्ध है। वहां से दक्षिण की ओर बढ़ता हुआ सूर्य जब विषुवत् रेखा पर पहुंच जाता है और वहां उसकी किरणें सीधी पड़ती हैं, वह तुला राशि पर पहुंचा हुआ माना जाता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ईशान किशन को प्रैक्टिस करते समय चोट लगी, अभिषेक भी बीमार

एजेंसी, नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में नामीबिया के खिलाफ गुरुवार को होने वाले मुकाबले से पहले बुधवार शाम आयोजित प्रैक्टिस सेशन के दौरान टीम इंडिया के ओपनर ईशान किशन चोटिल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई है। उधर, दूसरे ओपनर अभिषेक शर्मा पहले से ही बीमारी से जूझ रहे हैं। प्रैक्टिस के दौरान तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की यॉर्कर ईशान किशन के बाएं पैर के अंगूठे पर जा लगी। गेंद लगते ही ईशान दर्द से कराहते हुए जमीन पर लेट गए। टीम के फिजियो ने तुरंत उनकी जांच की। इसके बाद ईशान लंगड़ाते हुए नेट्स से बाहर चले गए। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने दोबारा बल्लेबाजी की कोशिश की, लेकिन उनका सत्र ज्यादा देर तक नहीं चल सका। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने फिलहाल उनकी चोट को लेकर कोई आधिकारिक अपडेट जारी नहीं किया है।

अभिषेक शर्मा को पेट में संक्रमण- टीम की मुश्किलें इसलिए भी बढ़ गई हैं क्योंकि ओपनर अभिषेक शर्मा पेट के संक्रमण से जूझ रहे हैं। वह दो दिनों तक दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती रहे और बुधवार को उन्हें छुट्टी मिली। ऐसे में उनका नामीबिया के खिलाफ खेलना मुश्किल है। प्रैक्टिस के बाद युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने बताया कि अभिषेक की फिटनेस पर अंतिम फैसला मैच से पहले लिया जाएगा। अगर वे उपलब्ध नहीं होते हैं तो विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को मौका मिल सकता है। संजू ने बुधवार को नेट्स पर लंबा अभ्यास किया।

भारत-पाकिस्तान वर्ल्ड कप मैच में बीसीसीआई अधिकारियों से मुलाकात करेंगे बीसीबी प्रमुख अमीनुल इस्लाम

एजेंसी, नई दिल्ली

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम 'बुलबुल' 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले भारत-पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों से मुलाकात कर सकते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पहल पर आयोजित यह बैठक दोनों बोर्डों के बीच हालिया तनाव को कम करने की दिशा में अहम कदम साबित हो सकती है। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रोथम अलो से बातचीत में अमीनुल इस्लाम ने बताया कि इस हाई-प्रोफाइल मैच के लिए उन्हें आईसीसी की ओर से आमंत्रण मिला है। उन्होंने कहा, "आईसीसी ने फैसला किया है कि एशिया के पांच प्रमुख क्रिकेट देश-भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान-के प्रतिनिधि 15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान एक साथ मौजूद रहें, मैच देखें और आपस में बातचीत करें।" जब उनसे पूछा गया कि क्या यह बैठक बीसीसीआई के साथ रिश्ते सुधारने का मौका हो सकती है, तो उन्होंने कहा, "आप इसे उसी तरह समझ सकते हैं।" दोनों बोर्डों के बीच संबंध तब बिगड़ गए थे जब बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अनुबंधित बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने का निर्देश दिया था। इसके बाद बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में अपने वर्ल्ड कप मुकाबले खेलने से इनकार कर दिया था। हालांकि, आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने अपनी समीक्षा में खतरे के स्तर को कम से मध्यम बताया और बांग्लादेश की मांग खारिज कर दी। लंबे संवाद के बावजूद बांग्लादेश अपने रुख पर कायम रहा, जिसके बाद आईसीसी ने टूर्नामेंट में उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया। इस घटनाक्रम के दौरान पाकिस्तान सरकार ने भी बांग्लादेश के समर्थन में भारत के खिलाफ अपने मैच के बहिष्कार की घोषणा की थी। हालांकि बाद में बीसीबी और श्रीलंका सरकार के हस्तक्षेप के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यह फैसला वापस ले लिया। अमीनुल इस्लाम ने कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए बीसीबी एक औपचारिक समझौता (एमओयू) करना चाहता है। उन्होंने कहा, "हम लाइन-बाय-लाइन एक समझौता करेंगे ताकि किसी तरह की अनिश्चितता न रहे। आईसीसी के साथ इस संबंध में चर्चा लगभग अंतिम चरण में है।"

एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026: भारत ग्रुप बी में जापान, ऑस्ट्रेलिया और लेबनान के साथ

एजेंसी, नई दिल्ली

एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 के लिए गुरुवार को मलेशिया के कुआलालंपुर स्थित एएफसी हाउस में आयोजित ड्रॉ में भारत को ग्रुप बी में रखा गया है। भारतीय टीम इस ग्रुप में जापान, ऑस्ट्रेलिया और लेबनान जैसी मजबूत टीमों के साथ मुकाबला करेगी। टूर्नामेंट का 10वां संस्करण 30 अप्रैल से 17 मई 2026 तक चीन में खेला जाएगा। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में एशिया की शीर्ष युवा टीमें हिस्सा लेंगी।

ग्रुप इस प्रकार हैं:

ग्रुप एः चीन, थाईलैंड, वियतनाम, म्यांमार

ग्रुप बीः जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत, लेबनान

ग्रुप सीः उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस, चीनी ताइपे

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और दो सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान की टीमें क्वार्टरफाइनल में प्रवेश करेंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीमें फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप मोरक्को 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारत ने अक्टूबर 2025 में खेले गए क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप जी में किर्गिज़ गणराज्य और उज्बेकिस्तान को पीछे छोड़ते हुए टूर्नामेंट के लिए जगह बनाई थी। 21 साल बाद भारत ने इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

भारत का कार्यक्रमः

- ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत
- भारत बनाम जापान
- भारत बनाम लेबनान

पूर्व इटली अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पामेला कॉन्टी के मार्गदर्शन में भारतीय अंडर-17 टीम ने हाल ही में सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप का खिताब जीता था, जहां फाइनल में बांग्लादेश को हराया गया था। टीम अब चीन में अपने इस शानदार अभियान को जारी रखने की उम्मीद करेगी।

पाकिस्तान के स्पिनर तारिक के एक्शन पर उठे सवाल, बचाव में उतरे अश्विन

एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान के नये स्पिनर उस्मान तारिक के गेंदबाजी एक्शन पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। तारिक की गेंदबाजी पर ये सवाल अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्वक मैच के बाद उठाये गये है। ये पहला अवसर नहीं है जब इस गेंदबाज के एक्शन पर सवाल उठे हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने भी इस पाक गेंदबाज के एक्शन को अवैध बताया था। तारिक ने अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में तीन अहम विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनका अजीब सा एक्शन समझना अमेरिकी बल्लेबाजों के लिए संभव नहीं हुआ। इसी को लेकर भारतीय अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के सलामी बल्लेबाज रहे श्रीवत्स गोस्वामी ने भी सवाल उठाये हैं। गोस्वामी ने कहा कि गेंद फेंकने से पहले जिस प्रकार से तारिक रुकते हैं। वह सही नहीं है। उनका गेंदबाजी एक्शन नियमों के अनुरुप नहीं है। वहीं हैरान की बात है कि पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने तारिक का समर्थन करते हुए कहा गेंदबाजी के दौरान रुकने से एक्शन अवैध नहीं होता। अश्विन ने कहा, "जब बल्लेबाज बिना अंपायर या गेंदबाज को बताए स्विच हिट या रिवर्स शॉट खेल सकता है, तो गेंदबाज पर ही इतनी रोक क्यों लगायी गयी हैं? गेंदबाज को बिना अंपायर को बताए अपना हाथ भी बदलने की अनुमति नहीं है। इसलिए पहले इस नियम को बदलना चाहिए।"

बार्सिलोना एससी के खिलाफ मैच में लियोनेल मेसी चोटिल, इंटर मियामी का प्री-सीजन फिनाले स्थगित

एजेंसी, मियामी

मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) क्लब इंटर मियामी को अपने स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी की चोट के कारण बड़ा झटका लगा है। क्लब ने बुधवार को जानकारी दी कि मेसी बाएं हैमस्ट्रिंग में मांसपेशियों में खिंचाव (मसल स्ट्रेन) के चलते प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा नहीं ले सके। उनकी इसी चोट के कारण टीम का प्री-सीजन फिनाले मुकाबला भी स्थगित कर दिया गया है। क्लब के अनुसार, दो बार के मौजूदा लीग मोस्ट वॉल्यूबल प्लेयर मेसी को यह चोट पिछले सप्ताह इक्वाडोर में बार्सिलोना स्पोर्टिंग क्लब के खिलाफ खेले गए प्री-सीजन मैच के दौरान लगी थी। उस मुकाबले में मेसी ने गोल भी किया था, लेकिन दूसरे हाफ में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया था। इसके बाद उनके मेडिकल परीक्षण कराए गए, जिनमें बाएं हैमस्ट्रिंग में मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि हुई। इंटर मियामी ने आधिकारिक बयान में कहा, "मेसी की ट्रेनिंग में वापसी उनके क्लिनिकल और फंक्शनल सुधार पर निर्भर करेगी, जिसका आकलन आने वाले दिनों में किया जाएगा।" क्लब ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। मेसी की चोट के चलते इंटर मियामी और इक्वाडोर के क्लब इंडिपेंडिएंते डेल वाए के बीच शुक्रवार को प्यूर्टो रिको के जुआन रामोन लोब्रीएल स्टेडियम में खेला जाने वाला मैत्री मैच अब 26 फरवरी तक के लिए टाल दिया गया है। गौरतलब है कि इंटर मियामी को अपना एमएलएस अभियान 21 फरवरी से शुरू करना है। ऐसे में मेसी की फिटनेस टीम के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है। अब देखना होगा कि वह सीजन के शुरुआती मुकाबलों तक पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली, 12 फरवरी (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और कमजोरी आ गई। हालांकि पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण बाजार की स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। आज शुरुआती पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील और ओएनजीसी के शेयर 1.16 प्रतिशत से लेकर 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, इन्फोसिस, विप्रो, टेक महिंद्रा, टीसीएस और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 4.50 प्रतिशत से लेकर 3.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,659 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 906 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,753 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 19 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 265.21 अंक की कमजोरी के साथ 83,968.43 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से कुछ ही देर में यह सूचकांक उछल कर 84,061.62 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से पहले 15 मिनट के कारोबार में ही सेंसेक्स 400 अंक से अधिक टूट कर 83,795.65 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 245.34 अंक की गिरावट के साथ 83,988.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 47.15 अंक फिसल कर 25,906.70 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के तुरंत बाद बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से पहले 15 मिनट में ही यह सूचकांक गिर कर 25,822.30 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 72.55 अंक की कमजोरी के साथ 25,881.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 40.28 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 84,233.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 18.70 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की उछाल के साथ 25,953.85 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

ऑटो इंडस्ट्री में डेटा गोपनीयता जरूरी, बिक्री में भी रिकॉर्ड वृद्धि

नई दिल्ली। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक अधिकारी ने कहा कि ऑटोमोबाइल उद्योग में इनोवेशन ग्राहकों के डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा के भीतर होना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम में बताया कि इलेक्ट्रिक और पारंपरिक इंजन वाले वाहनों से ग्राहक से जुड़े कई तरह के डेटा निकलते हैं, जैसे डैशकैम का वीडियो फीड और इंफोटेनमेंट सिस्टम में जुड़े फोन नंबर। अधिकारी के अनुसार, इन सिद्धांतों का कार्यान्वयन तभी संभव है जब आप अपने सिस्टम को गोपनीयता को ध्यान में रखकर डिजाइन करें, अपने सिस्टम को सुरक्षा को ध्यान में रखकर डिजाइन करें और इसका अर्थ यह है कि आप डेटा का सही तरीके से वर्गीकरण करें। इसके अतिरिक्त, भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग ने पिछले वर्ष नवंबर में अब तक की सबसे अच्छी बिक्री दर्ज की। सियाम के आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत बढ़कर 4,12,405 यूनिट हो गई। वहीं, तीन-पहिया वाहनों की बिक्री 21.3 प्रतिशत बढ़कर 71,999 यूनिट रही, जबकि दो-पहिया वाहनों की बिक्री 21.2 प्रतिशत उछलकर 19,44,475 यूनिट तक पहुंच गई। उद्योग को उम्मीद है कि लगातार सहायक नीतिगत सुधार और बेहतर बाजार भावना इस वृद्धि की गति को 2026 तक बनाए रखेंगे।

सैमसंग पेश करेगा नया गैलेक्सी एस26 एआई स्मार्टफोन

सोल। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इस महीने अमेरिका में होने वाले गैलेक्सी अनपैक्ड 2026 इवेंट में अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन पेश करेगा। कार्यक्रम 25 फरवरी, को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित होगा। कंपनी ने अपने आमंत्रण में कहा- द नेक्स्ट एआई फोन मेक्स योर लाइफ ईजियर। नए स्मार्टफोन, संभवतः गैलेक्सी एस26, में उन्नत एआई फीचर्स होंगे। यह फोन रोजमर्रा के काम आसान बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और गैलेक्सी एआई को सहज रूप से एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। फोन में नया प्राइवेसी फीचर भी शामिल होगा, जिससे यूजर्स स्क्रीन की जानकारी दूसरों से छिपा सकेंगे। इसके लिए किसी अतिरिक्त स्क्रीन गार्ड की आवश्यकता नहीं होगी। यूजर्स विभिन्न सेटिंग्स के माध्यम से स्क्रीन की विज़िबिलिटी नियंत्रित कर पाएंगे, जिससे शोल्डर सर्फिंग से बचाव होगा। सैमसंग ने इस तकनीक को विकसित करने में पांच साल से अधिक समय लगाया। यह फीचर विशेष रूप से एस26 अल्ट्रा मॉडल में उपलब्ध हो सकता है और एआई के नए दौर की शुरुआत का संकेत देता है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। दूसरी ओर,चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान 24 कैरेट सोना आज 1,59,610 रुपये से लेकर 1,59,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,46,310 रुपये से लेकर 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। जबकि चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी शुरुआती कारोबार में 2,89,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,59,760 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,59,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,59,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,59,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,46,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अडाणी पावर ने परमाणु ऊर्जा कारोबार के लिए 'अडाणी एटॉमिक एनर्जी' का गठन किया

नई दिल्ली। आडानी समूह ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में कदम रख दिया है। समूह की कंपनी अडाणी पावर लिमिटेड ने परमाणु एवं नाभिकीय ऊर्जा से प्राप्त बिजली के उत्पादन, पारेषण एवं वितरण के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी 'अडाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड' (एएईएल) का गठन किया है। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एएईएल को 5 लाख रुपये की अधिकृत पूंजी के साथ गठित किया गया है। इसे 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 50,000 शेयर में विभाजित किया गया है। अडाणी पावर की एएईएल में 100 फीसदी हिस्सेदारी है। अडाणी पावर ने बताया कि 'अडाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड' का भारत में 11 फरवरी, 2026 को गठन किया गया। कंपनी को उसी दिन इसे केंद्रीय पंजीकरण केंद्र, कंपनी रजिस्ट्रार से निगमण प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। अडाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी इकाई है। इसलिए यह कंपनी की संबंधित पक्ष इकाई भी है। इसके जरिए एटॉमिक और न्यूक्लियर एनर्जी से प्राप्त बिजली के उत्पादन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रिब्यूशन का काम होगा।

हमेशा अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि सतीश पेडनेकर हमेशा ग्लैमर और ज़रूरत से ज़्यादा ड्रामा से दूर, अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं। भूमि पेडनेकर कभी भी तयशुदा फॉर्मूले पर चलने वाली कलाकार नहीं रही हैं। अपनी पहली फिल्म से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेट: एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, थैंक यू फॉर कमिंग, शुभ मंगल सावधान, बाला, भीड़, भक्षक, सांड की आंख जैसी फिल्मों के ज़रिए समाज से जुड़े मुद्दों पर बात करने की हिम्मत दिखाई है। अब उनकी ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज़ दलदल भी इसी कड़ी का हिस्सा है। भूमि की फिल्मों और शोज़ में दिखावा कम और कंटेंट ज़्यादा होता है। यही वजह है कि दर्शक उनकी कहानियों से जुड़ते हैं और बार-बार उन्हें देखना चाहते हैं। दलदल के ओटीटी हिट बनने के साथ भूमि ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके लिए माध्यम नहीं, बल्कि कला और अभिनय सबसे ज़रूरी है। बड़े पर्दे पर अपनी मजबूत पहचान बनाने के बाद, भूमि ने अमेज़न प्राइम की टॉप-ट्रेंडिंग साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी पकड़ साबित की है। यह सीरीज़ अमेरिका, यूके, यूएई समेत कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर में सराही जा रही है। इसकी सफलता भूमि की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती है और उन्हें भारत की सबसे भरोसेमंद और निडर अभिनेत्रियों में शामिल करती है। दलदल को मिल रही वैश्विक सराहना यह भी दिखाती है कि भूमि हमेशा कंटेंट और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को प्राथमिकता देती हैं। जहां कई कलाकार ऐसे किरदारों से हिचकते हैं जिनमें शारीरिक बदलाव, गहरी भावनात्मक तैयारी और व्यक्तित्व में बदलाव की जरूरत होती है, वहीं भूमि ने इन्हें अपनी ताकत बना लिया है।

कोंकणा सेन शर्मा की साइकोलोजिकल थ्रिलर फिल्म एक्यूज़्ड की रिलीज तारीख जारी, 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

ओटीटी पर एक से बढ़कर एक सीरीज उपलब्ध हैं, जिन्हें दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। क्राइम-थ्रिलर से लेकर कॉमेडी तक, ओटीटी पर हर तरह का कंटेंट मौजूद है। अब जल्दी ही डिजिटल दुनिया में एक और शानदार सीरीज जल्दी ही दस्तक देने वाली है, जिसकी चर्चा जोरों पर है। हम बात कर रहे हैं कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा स्टारर अक्यूज्ड की, जो एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। कोंकणा हिंदी सिनेमा की सबसे शानदार अभिनेत्रियों में से हैं और एक से बढ़कर एक फिल्मों और सीरीज में नजर आ चुकी हैं। अब कोंकणा साइकोलॉजिकल थ्रिलर अक्यूज्ड में नजर आएंगी। हाल ही में अक्यूज्ड का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया गया था, जिसमें कोंकणा सेन शर्मा एकदम अलग ही अंदाज नजर आईं। पोस्टर के जारी होते ही दर्शकों के दिलों की धड़कनें भी बढ़ गईं। इसी के साथ निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट भी जारी कर दी है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने एक पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- मीरा अपनी सपनों भरी जिंदगी जी रही है। क्या एक राज़ उसकी जिंदगी को बुरे सपने में बदल देगा? कोंकणा सेनशर्मा और प्रतिभा रान्टा अभिनीत फिल्म एक्यूज्ड 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है। बता दें, ये नया साइकोलॉजिकल थ्रिलर 27 फरवरी 2027 को नेटफ्लिक्स पर ऑनलाइन स्ट्रीम की जाएगी। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर अक्यूज्ड का फर्स्ट लुक पोस्टर और टीजर जारी किया था, जिसके साथ रिलीज डेट का भी ऐलान किया, जिसमें प्रतिभा रांटा और कोंकणा सेन शर्मा की झलक देखने को मिली थी। ये टीजर देखते ही फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और कई ने तो पोस्ट पर कमेंट करते हुए इसे लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करना भी शुरू कर दिया। कोंकणा सेन शर्मा पिछले दिनों मेट्रो... इन दिनों को लेकर सुर्खियों में थीं, जिसमें वह पंकज त्रिपाठी के अपोजिट नजर आई थीं। फिल्म में उन्होंने काजोल की भूमिका निभाई थी। इसके अलावा वह किलर सूप और सर्च: द नैना मर्डर केस को लेकर भी सुर्खियों में रहीं। वहीं उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में वह अक्यूज्ड को लेकर चर्चा में हैं। प्रतिभा रांटा की बात करें तो वह 2024 में लापता लेडीज को लेकर काफी सुर्खियों में रहीं, जिसमें उन्होंने जया की भूमिका निभाई थी। इसके अलावा हीरामंडी में भी अपने अभिनय से उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं।

जिंदगी न मिलेगी दोबारा 2 के साथ फिर मचेगा धमाल, सीक्वल पर आई ये जानकारी

साल 2011 में रिलीज फिल्म जिंदगी न मिलेगी दोबारा अपने सीक्वल को लेकर काफी समय से चर्चा में है। फिल्म निर्माता जोया अख्तर एक बार फिर अपनी पसंदीदा तिकड़ी ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल को पर्दे पर वापस लाने की तैयारी कर रही हैं। बताया जाता है कि उन्होंने बहुप्रतीक्षित सीक्वल का पहला ड्राफ्ट पूरा कर लिया है। इस खबर ने फैंस की खुशी को सातवें आसमान पर पहुंचा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सीक्वल में ऋतिक, फरहान और अभय के किरदार 40 की उम्र में दिखाए जाएंगे। एक सूत्र ने बताया, जोया ने आखिरकार ऐसा ड्राफ्ट तय कर लिया है जिससे वह संतुष्ट हैं। उनका हमेशा से यही कहना था कि जिंदगी ना मिलेगी दोबारा का सीक्वल तभी बनेगा जब उसमें कुछ नया कहने को होगा। यह पुरानी यादों को ताजा करने वाली फिल्म नहीं है; फिल्म बीते समय और तीनों पुरुषों की जिंदगी में आए बदलावों को दर्शाती है। जिंदगी न मिलेगी दोबारा 2 पर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि मूल कलाकारों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, तीनों कलाकारों को वापस लाने का इरादा है, लेकिन यह सब तारीखों के तालमेल पर निर्भर करता है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो दहाड़ 2 की शूटिंग के बाद, सीक्वल पर इस साल के अंत तक काम शुरू हो जाएगा। अब देखना होगा कि निर्माता आधिकारिक ऐलान कब करते हैं।

आकांक्षा चमोला ने अपने ग्लैमरस अवतार से इंटरनेट पर लगाई आग

बिग बॉस 19 के विनर गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला इन दिनों खूब लाइमलाइट बटोर रही हैं. बिग बॉस 19 में सिर्फ एक दिन के लिए आने के बाद से ही आकांक्षा ट्रोलिंग क्वीन बन गई हैं. पहले वह मां नहीं बनने के फैसले पर ट्रोल हुई थीं और फिर वह अपने नए प्रोजेक्ट की वजह से लोगों के निशाने पर आ गईं. इन सबके बीच, आकांक्षा अपनी बिंदास लाइफ जी रही हैं. उन्होंने अपनी कुछ नई फोटोज से सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है. एक-एक फोटो पर फैंस कमेंट कर रहे हैं. आकांक्षा चमोला ने अपनी नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. जिसमें वह रेड वाइन बनी हुई दिख रही हैं. इन फोटोज में आकांक्षा ने लाल रंग का गाउन पहना है, जो ऑफ शोल्डर है. आकांक्षा चमोला अपनी इस तस्वीर में खिलखिलाकर मुस्कुरा रही हैं. एक्ट्रेस की स्माइल इस फोटो में चार चांद लगाने का काम कर रही हैं और उनकी छोटी चोटी आंखें काफी क्यूट लग रही हैं. आकांक्षा चमोला ने अपने लुक को परफेक्ट रखा है. एक्ट्रेस ने रेड गाउन के साथ गोल्डन नेकपीस कैरी किया, जो काफी यूनिका दिखा और बालों को कर्ली करवाए. इस लुक में वह काफी क्यूट लगीं. आकांक्षा ने मिनिमल मेकअप से अपने लुक को एलिगेंट बनाने के काम किया.आकांक्षा इन दिनों काफी ट्रोल हो रही हैं लेकिन उनकी इन फोटोज से साफ है कि एक्ट्रेस को ट्रोलिंग से कोई फर्क नहीं पड़ रहा. वह अपनी जिंदगी से काफी खुश हैं और आराम से अपनी लाइफ को एन्जॉय कर रही हैं. आकांक्षा चमोला ने इन फोटोज पर खास कैप्शन लिखा है. उन्होंने इस फोटोज के साथ रेड रोज लगाए हैं. एक्ट्रेस ने बहुत ही प्यार के साथ अपने ट्रोलर्स को जवाब दिया है, जिससे उनकी बोलती बंद हो गईं. आकांक्षा चमोला की ये फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. इन फोटोज पर फैंस भर-भरकर प्यार लुटा रहे हैं. कई सारे फैंस ने हार्ट इमोजी भेजे हैं और कुछ फैंस फायर के इमोजी लगा रहे हैं. फैंस ने आकांक्षा को सबसे ज्यादा सुंदर बताया है. आकांक्षा चमोला विवादों में हैं. आकांक्षा ने नेशनल टीवी पर कहा था कि उन्हें बच्चों की जिम्मेदारी नहीं चाहिए क्योंकि वह नहीं मानती कि वह इस जिम्मेदारी को उठा सकती हैं. इस पर वह काफी ट्रोल हुईं. गौरव खन्ना कई बार अपनी पत्नी का बचाव कर चुके हैं, लेकिन आकांक्षा को ट्रोलिंग से कोई फर्क नहीं पड़ता.

अर्जुन सरजा की फिल्म सीता पयानम का ट्रेलर जारी,14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी

एक्शन किंग अर्जुन अपनी बैनर श्री राम फिल्म्स इंटरनेशनल के तहत बनी फिल्म सीता पयानम से डायरेक्टर की कुर्सी पर वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म से उनकी बेटी ऐश्वर्या अर्जुन डेब्यू कर रही हैं, जिसमें निरंजन, सत्यराज, प्रकाश राज और कोवई सरला जैसे शानदार कलाकार भी हैं। अर्जुन खुद एक अहम कैमियो में नज़र आएंगे, जबकि उनके भतीजे, एक्शन प्रिंस ध्रुव सरजा एक स्पेशल अपीयरेंस से एक्साइटमेंट बढ़ाएंगे। यह फिल्म 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी, और मेकर्स ने अभी-अभी इसका थिएट्रिकल ट्रेलर रिलीज़ किया है। कहानी एक युवा शेफ के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे उसके बहुत ज़्यादा प्रोटेक्टिव पिता ने पाला है। एक लंबी ड्राइव के दौरान, वह अनिच्छा से एक अजनबी को लिफ्ट देती है - इस शर्त पर कि उसे आने वाली हर फ़ोन कॉल लाउडस्पीकर पर होगी। जो सफ़र एक हल्की-फुल्की यात्रा के रूप में शुरू होता है, वह धीरे-धीरे एक गहरा मोड़ लेता है, जिससे एक अप्रत्याशित ट्विस्ट आता है। अर्जुन का अनुभव उनकी राइटिंग और डायरेक्शन दोनों में साफ़ दिखता है। ताज़ा कहानी, साफ़-सुथरी कहानी कहने का तरीका और उनका दमदार स्पेशल अपीयरेंस सबसे अलग हैं। निरंजन ने मेल लीड के तौर पर शानदार डेब्यू किया है, जबकि ऐश्वर्या अर्जुन आकर्षक दिखती हैं और एक आत्मविश्वासी, मैच्योर परफॉर्मेंस देती हैं। सत्यराज प्रोटेक्टिव पिता के रूप में चमकते हैं, और प्रकाश राज इमोशनल गहराई लाते हैं - खासकर शादी के असली मतलब के बारे में एक मार्मिक सीन में। ध्रुव सरजा का एक्शन से भरपूर कैमियो एक्स्ट्रा पंच जोड़ता है। जी बालमुरुगन की सिनेमैटोग्राफी शानदार विज़ुअल्स देती है, जबकि मेलोडी किंग अनूप रूबेंस अपने भावपूर्ण संगीत से माहौल को बेहतर बनाते हैं। साई माधव बुर्रा के डायलॉग्स असरदार हैं। अयूब खान ने एडिटिंग संभाली है, और किक ऐस काली ने डायनामिक स्टंट कोरियोग्राफी से एक्शन को और दमदार बनाया है। वैलेंटाइन डे पर रिलीज़ होने में बस एक हफ़्ता बचा है, और ट्रेलर ने सीता पयानम के लिए बहुत उम्मीदें जगा दी हैं।

विश्वक सेन की फिल्म फंकी का तीसरा गाना यमा यम्मा आउट, 13 फरवरी को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

विश्वक सेन की आने वाली फिल्म फंकी के मेकर्स ने फिल्म का तीसरा सिंगल, यामा यम्मा रिलीज़ कर दिया है। यह एक हाई एनर्जी वाला मास नंबर है जो दर्शकों को ज़रूर पसंद आएगा। देव पवार ने इस गाने के बोल लिखे हैं, जिसमें भीम सेसिरोलियो और रोहिणी सोरट ने अपनी दमदार आवाज़ दी है, और म्यूज़िक भी भीम सेसिरोलियो ने ही कंपोज़ किया है। यह ट्रैक ज़बरदस्त बीट्स और एनर्जेटिक डांस मूव्स से भरा है, जिसे आटा संदीप मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है, जो इसे मास गानों के फैंस के लिए एक शानदार ट्रीट बनाता है। इस गाने में विश्वक सेन और कायाडू लोहार नज़र आ रहे हैं, जो फंकी एल्बम का हिस्सा है। एल्बम के पहले दो सिंगल पहले ही बड़े हिट हो चुके हैं, और यामा यम्मा इस मोमेंटम को और बढ़ा रहा है, जिससे फिल्म का म्यूज़िकल बज और मज़बूत हो रहा है। हाल ही में रिलीज़ हुए ट्रेलर को ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिला है, जिसने केवी अनुदीप की खास कॉमेडी और विश्वक सेन की ज़बरदस्त टाइमिंग पर सबका ध्यान खींचा है। जाति रत्नालु के लिए जाने जाने वाले डायरेक्टर केवी अनुदीप, अपनी सिग्नेचर मज़ेदार कहानी कहने का अंदाज़ फंकी में लेकर आए हैं, जो एक मनोरंजक राइड का वादा करती है। यह फिल्म एस नागा वामसी और साई सौजन्या ने सितारा एंटरटेनमेंट्स, फॉर्च्यून फोर सिनेमाज और श्रीकारा स्टूडियोज के तहत प्रोड्यूस की है। फंकी 13 फरवरी, 2026 को रिलीज़ होने वाली है, जो इसे वैलेंटाइन डे के लिए एक परफेक्ट तोहफ़ा बनाती है। अपनी पावर पैक्ड टीम और शानदार प्रोडक्शन वैल्यू के साथ, फंकी बड़े पर्दे पर अनलिमिटेड मनोरंजन देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

निखिल सिद्धार्थ की भव्य ऐतिहासिक एक्शन फिल्म स्वयंभू को मिली नई रिलीज़ डेट

निखिल की माइथोलॉजिकल एंटरटेनर स्वयंभू काफी समय से रिलीज़ का इंतज़ार कर रही है। पहले मेकर्स ने फिल्म की रिलीज़ डेट 13 फरवरी बताई थी। जैसे ही फैंस एक्साइटेड हुए, पिछले कुछ दिनों से खबरें आ रही थीं कि मेकर्स फिल्म की रिलीज़ को मार्च या अप्रैल तक पोस्टपोन कर देंगे। अब, कुछ मिनट पहले मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज़ डेट कन्फर्म कर दी है। फिल्म अब 10 अप्रैल को रिलीज़ होगी। मेकर्स ने यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि फिल्म में बहुत सारे वीएफएक्स और सीजीआई का इस्तेमाल हुआ है और वे आउटपुट की क्वालिटी से कोई समझौता नहीं करना चाहते। इस फिल्म को भरत कृष्णमाचारी डायरेक्ट कर रहे हैं, जो अपना डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म की फीमेल लीड संयुक्ता और नाभा नटेश हैं और म्यूजिक रवि बसरूर ने दिया है। के.के. सेंथिल कुमार सिनेमैटोग्राफर हैं और भुवन और श्रीकर पिक्सेल स्टूडियोज़ के तहत फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। टैगोर मधु फिल्म को प्रेजेंट कर रहे हैं।

What unfolded in Lok Speaker Om Birla's chamber on February 4? Kiren Rijiju releases video clip

New Delhi, Agency: Union parliamentary affairs minister Kiren Rijiju on Thursday released a video clip that he claimed was recorded by a Congress MP inside the chamber of Lok Sabha Speaker Om Birla.

Reiterating earlier allegations, Rijiju accused Congress MPs of barging into the Speaker's chamber, misbehaving with him and using abusive language.

"This is the illegal video clip taken by a Congress MP when 20-25 Congress MPs entered the Chamber of Hon'ble Speaker, abused him and threatened Honb'le Prime Minister. Our party believes in debate & discussion and never encourage MPs to threaten physically," Rijiju said in a post on X. The remark comes a day after Rijiju remarks from a day earlier, when he alleged that a group of Congress MPs had entered the Speaker's chamber and behaved in an unruly manner.

"At least 20-25 Congress MPs entered the Lok Sabha Speaker's chamber and abused him. I was also there. The Speaker is a very soft person, otherwise strict actions would have been taken. Senior Congress leaders, including Priyanka Gandhi Vadra and KC Venugopal, were also present inside, and they were encouraging them to fight," Rijiju told reporters.

"They went to the Speaker's chamber and abused him, said bad things. Then the Speaker gave a ruling, which was not followed and then Rahul Gandhi said that he does not need anyone's permission to speak. He will speak as per his wish, without any rules... Unless permission is given by the Chair, members cannot speak in the House. Even the Prime Minister will speak only with the permission of the Chair. Everyone speaks only with permission," he added. The allegations have surfaced amid a deepening confrontation between the government and the opposition in Parliament. Earlier this week, opposition parties submitted a notice seeking the removal of Om Birla as Lok Sabha Speaker, accusing him of acting in a "blatantly partisan" manner.

Opposition leaders have also alleged that Birla made "false claims" against Congress MPs after he referred to certain "unexpected action" in the Lok Sabha and requested Prime Minister Narendra Modi not to come to the House to reply to the Motion of Thanks on the President's Address.

WWW inventor says AI may become more powerful than its creator

New Delhi, Agency: Artificial intelligence has an exciting role to play in fields like drug discovery, scientific progress and disease treatment. But given the pace at which it is evolving, there is a real prospect of AI becoming more powerful than its creator, warns Tim Berners-Lee, British computer scientist and inventor of the World Wide Web.

Humanity will have to figure out to how deal with super intelligence, says Berners-Lee, striking a note of caution at a time when companies and govts seem to be in a race to develop AI without really thinking through the consequences.

Speaking to Jaya Bhattacharji Rose, Berners-Lee described ChatGPT as a "phase change", which surprised him with its conversational power. He emphasised that the critical question is who an AI works for. He argued for assistants that serve the user's best interests - analogous to a doctor's duty - rather than corporate incentives. He connected this to his Solid project and his company's work on user-controlled data "pods", aiming to restore agency by letting individuals control and selectively share their personal data, including in child-safe configurations with parental oversight.

Berners-Lee also contrasted the early web's democratic spirit with today's platform-dominated experience.

'Drunk' cop runs over woman in Haryana's Ambala, victim dies

New Delhi, Agency: A 25-year-old woman died in a road accident in Ambala after she was allegedly hit by a police officer who was reportedly driving under the influence.

A 25-year-old woman died in a road accident in Haryana's Ambala after she was allegedly hit by a police officer who was reportedly driving under the influence, officials said on Wednesday.

The deceased has been identified as Nikita, according to initial information. Her body was brought to the Civil Hospital late on Tuesday night.

Visuals of the police officer who allegedly ran over a woman in a Haryana road accident.

Speaking to reporters, Dr DD Pandey, Civil Hospital, Ambala, said, "We received the body of a 25-year-old girl at around 9:30 PM last night. Her body has been shifted to the mortuary. The police are conducting an investigation."

Eyewitness Ravinder Singh, an e-rickshaw driver, alleged that a speeding car driven by a police officer struck his e-rickshaw.

"I was coming from Ambala Cantt with four passengers in the e-rickshaw... A speeding car driven by a police officer hit our e-rickshaw, and a girl fell from it. After that, the police officer ran over the girl.

Bharat Bandh: Rahul Gandhi backs workers & farmers; takes 'grip' jibe at PM Modi

New Delhi, Agency: Congress leader Rahul Gandhi on Thursday backed nationwide protests by workers and farmers demanding protection of their rights.

He flagged concerns over labour reforms, trade policies, and potential changes to the rural jobs programme MGNREGA.

"Workers fear that the four labour codes will weaken their rights. Farmers are apprehensive that the trade agreement will harm their livelihoods. And weakening or scrapping MGNREGA could snatch away the last lifeline of villages. When decisions affecting their future were taken, their voices were ignored," he said through a post on X.

"Will Modiji listen now? Or is the "grip" on him too strong? I stand firmly with the workers and farmers on their issues and their struggle," Rahul added.

An all-India general strike called by ten Central Trade Unions (CTUs) and backed by the Samyukta Kisan Morcha (SKM) on Thursday is aimed at opposing a range of government policies, including the four labour codes, privatisation and contractualisation measures, the Electricity Amendment Bill 2025, changes to MGNREGA and the proposed Seed Bill.

Large-scale participation from farmers, agricultural workers and industrial unions is expected at protest sites across the country, with power sector employees, PRTC staff and other worker organisations also set to join.

In a statement, the SKM said the strike seeks the withdrawal of the four labour codes, the Electricity Bill 2025, the Seed Bill 2025 and the VB-G RAM G Act 2025, among other demands. It also called for the restoration of the old pension scheme and the implementation of minimum wages for all workers, including scheme workers.

Communist Party of India (CPI) leader and All India Trade Union Congress (AITUC) working president Binoy Viswam expressed full support for the nationwide farmers' strike, describing it as a movement to defend people's basic rights. Apple farmers in Himachal Pradesh have also intensified preparations to join the nationwide farmers' strike on February 12 and announced a march to Delhi, warning that recent import duty reductions under India-US and other free trade agreements could hurt the state's apple-based economy.

They expressed concern that cheaper imports could impact local growers, despite repeated assurances from union commerce and industry minister Piyush Goyal that the interests of Indian apple farmers will be safeguarded. While several trade unions and farmer organisations have decided to join the strike, the National Front of Indian Trade Unions (NFITU) said it would not participate, describing the protest as "politically motivated."

Did India hit Pakistan's nuclear hub at Kirana Hills? IAF sets the record straight

New Delhi, Agency: Amid continued speculations over India striking Pakistan's nuclear facility at Kirana Hills during Operation Sindoor, Indian Air Force's Vice Air Chief Air Marshal Nagesh Kapoor set the record straight on Wednesday, saying that "we did nothing" and that the armed forces only struck terror and military installations.

India had launched Operation Sindoor on May 7 2025, in response to the deadly terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam region on April 22, that left 26 people dead. The operation, launched by the tri-services, targeted terror infrastructure located in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK). Over 100 terrorists were killed in these strikes, according to the government.

In the following days, the Indian armed forces hit back at Pakistan's attempted retaliatory strikes. On May 10, the Pakistani army reached out to its Indian counterpart, leading to a ceasefire understanding between the two neighbours.

Immediately after the operation, as well, heavy speculations and social media chatter had claimed that India had struck the Mushaf Airbase in Sargodha, reportedly linked to underground nuclear storage beneath the Kirana Hills.

However, the Director General of Air Operations, Air Marshal AK Bharti, had confirmed that the Indian armed forces did not target the nuclear facility at Kirana Hills. In response to a query regarding the facility during a press briefing, Bharti said, "Thank you for telling us that Kirana Hills houses some nuclear installation. We did not know about it. And we have not hit Kirana Hills, whatever is there." Despite this clarification, speculations have continued to circulate. During a recent press conference, VCAS Kapoor acknowledged that India hit several Pakistani military installations. However, with regard to striking Kirana Hills, Kapoor said that the videos (of Kirana Hills) "were presented by their people; they made them; we did nothing". "We attacked terror infrastructure and several of their (Pakistan's) military installations. This is absolutely true. If you see any video, whether it's from open sources, or generated by them, or what they're trying to portray, we don't know," the Vice Air Chief Air Marshal said.

70% turnout in 'peaceful' T'gana civic body polls

New Delhi, Agency: Polling for the municipal elections in Telangana concluded on Wednesday, with around 70% of the voters exercising their franchise till 5 pm, state election commission officials said.

State election commissioner Rani Kumudini said that the polling, which began on a dull note in the morning, picked up in the afternoon. "By 3 pm, the poll percentage touched 62%. All those who were in queues at the time of closure of polling at 5 pm were allowed to cast their votes," she said. Amid a few scattered incidents of tension and clashes in some areas, polling was largely peaceful, officials said.

Elections were conducted across the state for seven municipal corporations and 116 municipalities. A total of 5.21 million voters, including 2.56 million male and 2.68 million female voters, were expected to cast their vote. In order to facilitate voting, the authorities have set up 8,191 polling stations across the state.

A total of 16,031 ballot boxes were used in the municipal elections. As part of security and storage measures, 137 strong rooms have been prepared for the safekeeping of ballot boxes, the officials said.

The SEC said counting of votes will be taken up at 8 am on Friday at 136 counting centres across the state. The elections for the posts of mayor and deputy mayor in municipal corporations, and chairperson and vice-chairperson in municipalities, will be held on February 16.

The polling witnessed sporadic incidents of clashes. In Karimnagar, police resorted to lathi charge to disperse Bharatiya Janata Party (BJP) workers who had gathered near the Zilla Parishad office.

Six BJP activists sustained injuries in the incident. Protesting against the police action, BJP workers staged a sit-in on the main road, alleging bogus voting in the 58th division. They questioned the rationale of police resorting to force, alleging them of indifference towards their complaints. Altercation was also reported at a polling station in Ward 34 of Sangareddy town.

Which sectors will be hit and why trade unions are protesting

New Delhi, Agency: Over 10 central trade unions called for a nationwide Bharat Bandh on Thursday against the government's "anti-worker" policies. The bandh was supported by farmer organisations and other groups across sectors.

The strike call was announced as a mark of "resistance to anti-worker, anti-farmer and anti-national pro-corporate policies of the central government."

Trade unions said nearly 30 crore workers from various sectors were likely to participate in the agitation.

The protest was expected to partially affect services such as banking, insurance and transport, with unions serving strike notices across departments and industrial establishments. The Samyukt Kisan Morcha (SKM) called upon farmers to join trade union workers in making the all-India general strike a success.

In a statement, the SKM said the strike sought the withdrawal of four labour codes, the Electricity Bill-2025, the Seed Bill-2025, the VB-G RAM G Act-2025, restoration of the old pension scheme and implementation of minimum wages for workers, including scheme workers.

The platform of agricultural workers' unions and the NREGA Sangharsh Morcha (NSM) supported and participated in protest demonstrations across the country.

"SKM calls upon the people to resist all the new attacks launched by the BJP government on the farmers, the workers and common people," the statement said. The SKM said the Electricity Bill would raise power tariffs for farmers and domestic users and impose peak-hour charges and smart meters. "SKM is demanding 'No to Smart Meters' and 300 units of free electricity to all as is also being promised in BJP election campaigns," the statement said.

It also opposed the Viksit Bharat-Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin) (VB-G RAM G) Act, alleging that it would depose the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA), and objected to the new Seed Bill, stating it would lead to black-marketing of seeds. The SKM opposed free trade agreements, calling them a blueprint of "economic colonisation" through the denial of minimum wages to workers, minimum support price (MSP) to farmers and the right to employment to unemployed youth.

"The Modi government has surrendered the sovereignty and the self-reliance of India to the United States of America," the SKM alleged.

"SKM appeals to all farmers to join en masse in the protest demonstration, burn the effigies of Narendra Modi and Donald Trump and copies of the free trade agreements in solidarity with industrial workers and against all the anti-people, pro-corporate government policies," it said. Insurance sector workers have also protested against the government's decision to allow up to 100 per cent foreign direct investment (FDI) in the sector and the implementation of new labour codes.

"Services in electricity, banking, insurance, transport, health, education, gas and water supply will be affected due to the nationwide strike call on February 12," All India Trade Union Congress General Secretary Amarjeet